एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यकता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-72 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 26 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

कर्नाटक में पॉलिसी- बच्चों का स्क्रीन टाइम 1 घंटा रहे

शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद

बेंग्लुरू । कर्नाटक सरकार ने 9वीं से 12वीं के छात्रों के डिजिटल इस्तेमाल को लेकर मंगलवार को ड्राफ्ट पॉलिसी जारी की है। इसमें सिफारिश की गई है कि पढ़ाई के अलावा मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम रोजाना 1 घंटे तय किया जाए। शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद करने की भी सिफारिश की गई है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि छात्रों को सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन से दूर रखा

जाए। मोबाइल के लिए 'चाइल्ड प्लान' का सुझाव दिया गया है, जिसमें ऑडियो-ओनली विकल्प और तय समय के बाद इंटरनेट बंद करने की व्यवस्था होगी। उम्र के हिसाब से डिवाइस और ऑपरेटिंग सिस्टम डेवलप करने की भी बात कही गई है। सरकार के मुताबिक, करीब 25प्र किशोरों में इंटरनेट की लत है, जिससे नींद की कमी, चिंता और ध्यान भटकने जैसी समस्याएं हो रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मानस भवन में सेवा दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित

रामनवमी से भोपाल-ओरछा हेलीकॉप्टर सेवा होगी प्रारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने जन्मदिन मनाया। मप्र सरकार के मंत्रियों, विधायकों और बीजेपी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने उन्हें सीएम हाउस पहुंचकर बधाई दी। बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता हाथों में मेंहदी लगवाकर सीएम को आशीर्वाद देने पहुंचीं। महिलाओं ने हाथों पर लिखा था- 'शक्ति का आशीर्वाद'.. युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भेंट किया त्रिशूल बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सीएम हाउस पहुंचे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सीएम को त्रिशूल भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी। बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सीएम को हाथ से लिखी चिट्ठियां भेंट कीं। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, मंत्री कृष्णा गौर, प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री मोना सुस्तानी मौजूद रहे। अलग-अलग तरह के गिफ्ट बॉक्स बनाकर महिलाएं सीएम हाउस पहुंचीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वितरित किए उपहार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा के संकल्पों के साथ देश आगे बढ़ रहा है। देश-प्रदेश के विकास और समृद्धि के लिए सशक्त कदम उठाना और उस मार्ग पर लगातार चलते रहना भी सेवा ही है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। बच्चों की पढ़ाई, युवाओं को रोजगार, कृषि को लाभदायक बनाने और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। जनकल्याण और विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और राज्य सरकार समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा मानस भवन में आयोजित सेवा दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आयोजित 1100 कन्याओं के पूजन तथा कन्या भोज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं को उपहार स्वरूप स्कूल बैग, लंच बॉक्स, कम्पॉस बॉक्स तथा वॉटर बॉटल प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का गजमाला से अभिनंदन कर गदा भेंट की। इस अवसर पर सेवा भारती संस्था को सेवा कार्य के लिए एक लाख रूपए का चैक भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार रामनवमी के पावन पर्व पर भोपाल से ओरछा तक की हेलीकॉप्टर सेवा आरंभ करने जा रही है।

मध्यप्रदेश पर्यटन के अनूठे प्रोजेक्ट को सराहा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों के साथ सुखद संवाद करते हुए रवीन्द्र भवन परिसर एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बच्चों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस का केक काटा, हैप्पी बर्थडे टू यू का गीत गाकर बधाई दी और उन्हें एक पेंटिंग भेंट की। इस अवसर पर बालिका सिहायना तिवारी ने जन्म दिवस पर कविता सुनाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। कु. सिहायना ने प्रभु श्रीराम के संघर्ष पर भी कविता पाठ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रूपए और कविता पाठ करने वाली बालिका कु. सिहायना तिवारी को पृथक से 21 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यह बच्चे बाल निकेतन और आरूषि संस्थान से जुड़े हैं। इस अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों से संवाद में बताया कि रवीन्द्र भवन प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। वर्षों से इस स्थान से कलाकारों, साहित्यकारों और संस्कृति प्रेमियों का जुड़ाव रहा है। यहां सांस्कृतिक और ग्राम्य जीवन की थीम पर विकसित कैफे कल्चर हाउस प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान कला, संस्कृति और स्थानीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच बनेगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले-

केंद्र से ऊड़ान 2.0 योजना को मंजूरी, 100 एयरपोर्ट बनेंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें 2030-35 के नए पर्यावरण लक्ष्य तय करना, मोडिफाइड ऊड़ान योजना को मंजूरी और इमिग्रेशन सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए आईवीएफआरटी 3.0 शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में इन फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने मोडिफाइड रीजनल एयर कनेक्टिविटी योजना ऊड़ान 2.0 को मंजूरी दी है। इस पर 28,840 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस योजना तहत 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी आईवीएफआरटी योजना को 31 मार्च 2031 तक पांच साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है। साथ ही रू1,800 करोड़ की आईवीएफआरटी 3.0 योजना को भी मंजूरी दी है, जिसमें आधुनिक तकनीकों जैसे एआई, आधार बेस्ड पहचान, फेस रिकग्निशन और आईरिस स्कैनिंग का इस्तेमाल किया जाएगा।

अश्विनी वैष्णव बोले- उत्सर्जन तीव्रता में 36प्रतिशत कमी हासिल की

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत ने जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता (एमिशन इंटेंसिटी) में 36प्रतिशत की कमी हासिल कर ली है। 2030 का एक लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया गया और 2026 में उसे पार भी कर लिया गया। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, पहले क्योटो प्रोटोकॉल लागू था, लेकिन पेरिस समिट के बाद एक नया वैश्विक ढांचा बना, जिसमें हर देश को अपनी परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य तय करने को कहा गया। वर्तमान लक्ष्य 2025-2030 के लिए हैं और अब कैबिनेट ने 2030-2035 के लक्ष्यों को भी मंजूरी दे दी है। 18 मार्च- 100 इंडस्ट्रियल पार्क के लिए भव्य योजना को मंजूरी इससे पहले केंद्र सरकार ने 18 मार्च को कैबिनेट बैठक में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'भव्या' (भारत औद्योगिक विकास योजना) को मंजूरी दी थी। 33,660 करोड़ रुपए लागत वाली इस योजना के तहत देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि योजना के तहत बनने वाले हैं।

सरकार बोली-

देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

कीमतों में भी कोई बढ़ोतरी नहीं हुई

घबराकर जरूरत से ज्यादा खरीदने से बचें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों को सप्लाई करने वाले टर्मिनलों पर भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दिल्ली में इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान लोगों से डर और घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। सुजाता शर्मा ने कहा- पैनिक बाइंग के कारण पिछले दो दिनों में कई जगहों पर पेट्रोल पंपों और रिटेल आउटलेट्स के बाहर लंबी कतारें देखी गई हैं।

एलपीजी संकट को लेकर अब सरकार ने ये कदम उठाए

- **6 मार्च:** घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड शुरू किया गया (यानी एक सिलेंडर मिलने के 21 दिन बाद ही दूसरा बुक होगा)।
- **9 मार्च:** डिमांड बढ़ने पर शहरों में लॉक-इन पीरियड बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया।
- **12 मार्च:** ग्रामीण इलाकों के लिए सिलेंडर बुकिंग का गैप बढ़ाकर 45 दिन किया गया।
- **14 मार्च:** पेट्रोलियम मंत्रालय ने पीएनजी (पाइप गैस) यूजर्स के लिए एलपीजी सिलेंडर रखना गैर-कानूनी घोषित किया। अब पीएनजी कनेक्शन वालों को अपना सिलेंडर सरेंडर करना होगा और वे रिफिलिंग नहीं करा पाएंगे।

सरकार ने कहा- डिस्ट्रीब्यूटर के पास एलपीजी की कोई कमी नहीं

● पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने आगे कहा- पिछले 25 दिनों में करीब 2.5 लाख नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। इसके अलावा लगभग 2.20 लाख उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट किया है। साथ ही करीब 2.5 लाख नए आवेदन या रजिस्ट्रेशन भी प्राप्त हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर एलपीजी की भी कोई कमी नहीं है और ऑनलाइन बुकिंग अच्छी चल रही है। अब तक लगभग 26 राज्यों ने 22,000 टन कमर्शियल एलपीजी का आवंटन किया है, जिसमें राज्य सरकारों और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों दोनों की आपूर्ति शामिल है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि केरोसीन को वैकल्पिक ईंधन के रूप में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अतिरिक्त आवंटन दिया है और लगभग 16 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में इसके आदेश जारी किए जा चुके हैं।

घर के पास पीएमजी पाइपलाइन, तो कनेक्शन लेना ही होगा

नई दिल्ली। अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026 लागू किया है। इसके तहत अब पाइप वाली गैस (पीएनजी) का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी। . सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी कई बार हाउसिंग सोसायटियों या आरडब्ल्यूए(रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा।

पश्चिम एशिया हालात पर रिजिजू बोले-

विपक्ष सरकार के साथ, कांग्रेस ने संसद में बहस की मांग की, टीएमसी का बहिष्कार

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल जंग के बीच सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कर रहे हैं। इस बैठक में मिडिल ईस्ट पर के हालातों और देश में गैस-तेल की उपलब्धता पर चर्चा की जाएगी। बैठक से पहले ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने बैठक में शामिल ना होने का फैसला लिया है। वहीं, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी बैठक में शामिल नहीं होंगे। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर सभी दलों के मिडिल ईस्ट के हालतों पर ब्रीफ करेंगे। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर मंगलवार को राज्यसभा में कहा था कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने लोकसबा में पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा था कि तनाव खत्म होना चाहिए।

पंजाब के आप एमएलए रेप केस में गिरफ्तार

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे। लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से एमएलए चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई आज ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। आज वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है।

सरकार बोली- 35 दिन बाद गैस बुकिंग की बात झूठ

नियमों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है जिनमें गैस सिलेंडर बुक करने के नियमों में बदलाव की बात कही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पीएम उज्ज्वला योजना वाले उपभोक्ता अब 45 दिन और नॉन-पीएमयूवाय उपभोक्ता दूसरा सिलेंडर 35 दिन बाद ही बुक करा सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि ऐसा कोई बदलाव नहीं किया गया है। रीफिल बुकिंग के पुराने नियम ही लागू रहेंगे और उनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरे सिलेंडर की बुकिंग शहरों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद ही कर सकेंगे। 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के मुकाबले 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई पर कहीं ज्यादा दबाव है। 22 मार्च को केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कॉमर्शियल स्क्र्र के कोटे में 20त्न की अतिरिक्त बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। इसके साथ ही अब कुल आवंटन बढ़कर 50त्न हो गया है। हालांकि, डिस्ट्रीब्यूटर्स का कहना है कि इस फैसले का जमीन पर असर दिखने में अभी दो से तीन दिन का समय लग सकता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। याचिकाकर्ता का दावा- सलाह देने के बहाने साथ गाने मजबूर किया जाएगा अदालत मुहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

ईरान बोला-

अमेरिकी जंगी जहाज अब्राहम लिंकन पर मिसाइल दागी

तेहरान। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के जंगी जहाज एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पर मिसाइल हमला किया, जिसके बाद उसे इलाका छोड़कर पोजिशन बदलनी पड़ी। ईरानी सेना के मुताबिक, नौसेना ने कादेर क्रूज मिसाइलों से कैरियर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद अमेरिकी बेड़े को अपनी स्थिति बदलनी पड़ी। ईरानी नौसेना प्रमुख शहराम ईरानी ने कहा कि अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे ही यह बेड़ा मिसाइल रेंज में आएगा, उस पर और भी शक्तिशाली हमले किए जाएंगे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है और अमेरिका की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब तक करीब 1,500 लोगों की मौत, 18,551 घायल।मरने वालों में 8 महीने के बच्चे से लेकर 88 साल तक के बुजुर्ग। जंग में अब तक करीब 200 महिलाओं की मौत हुई। 28 फरवरी को स्कूल पर हमले में 168 बच्चों की मौत हुई।

नि:क्षय शिविर अभियान का शुभारंभ

मण्डला (नि.प्र.) नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा की अध्यक्षता में बैठक सभागार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में विश्व क्षय दिवस का आयोजन किया गया तथा 100 दिवसीय नि:क्षय शिविर अभियान का शुभारम्भ जनप्रतिनिधि के माध्यम से किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष श्री कछवाहा के द्वारा कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण सहायता के रूप में प्रदाय फूड बास्केट का वितरण किया गया तथा अभियान के संचालन में आवश्यक सहयोग करने के लिए आश्वस्त किया गया कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमति डी.जे. मोहंती, जिला क्षय अधिकारी डॉ. सुमित सिंगौर, डीएचओ डॉ.पीएल कोरी, प्रभारी डीपीसी गौरव साहू, जिला एवं विकासखण्ड एनटीईपी स्टॉफ, पीपीएसए सांई आशीष स्टॉफ, जागृति युवा मंच स्टॉफ उपस्थित रहे।

सिद्ध बाबा झरना पर अभियान

मण्डला (नि.प्र.)

जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण गतिविधि आयोजित की गई। यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी के मार्गदर्शन में तथा ब्लॉक समंवयक नेमलाल धुर्वे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान घुघरी स्थित सिद्ध बाबा झरने पर साफ-सफाई एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्य किए गए।

स्कोर पर मिला प्रशस्ति पत्र

मण्डला (नि.प्र.)

कलेक्टर ने फरवरी माह के सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में महाप्रबंधक सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग दिनेश मर्सकोले को 95 वेटेज स्कोर के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिकायत के निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रशस्ति पत्र सहायक संचालक व्यापार उद्योग बलराम यादव ने प्राप्त किया।

जन अभियान परिषद का प्रयास

मण्डला (नि.प्र.) जन अभियान परिषद विकासखण्ड द्वारा जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सेमिकोल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सार्वजनिक कूप की साफ-सफाई कार्य किया गया। कूप साफ सफाई कार्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पदाधिकारियों एवं ग्रामवासियों के सहयोग से किया गया। इससे सार्वजनिक पेयजल कूप से ग्रामीणों को साफ एवं स्वच्छ जल पीने के लिए उपलब्ध हो सकेगा। श्रमदान कार्य में ग्राम पंचायत सरपंच बढ़ार गंगाराम मरावी, सीएम इंटर्न सदाब्रज उइके और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सभी सदस्यों की उपस्थित रही।

किसानों को वितरित किए गए बीज

मण्डला (नि.प्र.) जिला में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से अब किसान पारंपरिक खाद्यान्न फसलों के साथ साथ तिलहन फसलों की ओर भी रुख कर रहे हैं। विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन जायद फसल के लिए किसानों को मूंगफली और तिल के बीज उपलब्ध कराए गए हैं जिससे खेती को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस पहल के तहत मोहगांव विकासखंड के किसानों ने गेहूं की फसल के बाद मूंगफली और तिल की खेती करने का निर्णय लिया है। किसानों के उत्साह को देखते हुए 20 मार्च को जनपद पंचायत मोहगांव की सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति की सदस्य श्रीमती प्रेमलता उइके द्वारा क्षेत्र के किसानों को प्रदर्शन के रूप में नि:शुल्क मूंगफली एवं तिल के बीज वितरित किए गए।

आपदा पर अवसर जमाखोरो की चांदी रोजाना बढ़ रहे किराना समानों के दाम गैस डीजल पेट्रोल भी हुआ महंगा

मण्डला (नि.प्र.)

लगातार दैनिक उपयोग कीमते अचानक बढ़ने लगी हैं जिससे लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे लोगों को राहत की बजाय सरकार लगातार परेशान कर रही है इन दिनों शक्कर तेल मसाला ड्रायफूड, डालडा, बेसन सहित चावल आटा दाल के दामों में भी उछाल देखा जा रहा है। तेल में तो 10 से 15 रूपए लीटर तक की बढोत्री कर दी गई है वहीं डीजल पेट्रोल और रसोई गैस के भी दाम बढ़ गए हैं जिसका सीधा असर खाने पीने की सामग्री पर दिखाई देने लगा है। जमाखोरो और व्यापारियों की मिलीभगत से रोजाना दाम बढ़ाए जा रहे हैं लोगों का कहना है कि आपदा पर अवसर का पूरा फायदा उठाया जा रहा है। कई खाड़ी देशो में युद्ध के हालात दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में अनेक सामग्रीयों की नियमित पूर्ति नही हो पा रही है इसी के आड़ में पूरा खेल चल रहा है अगर इसी तरह दाम बढ़ते रहे तो लोगो का घर चलाना मुश्किल हो जाएगा। वर्तमान में दैनिक उपयोगी आवश्यक वस्तुओं के भाव गरीब वर्ग के मुंह से दो समय का निवाला छीन रहे है। दाल रोटी खाकर खुश रहने वाले आम नागरिको को अब शायद दाल रोटी देखकर ही खुश होना पड़ेगा। ऊपर से बीमारी से बीमारियों के प्रकोप ने कर्ज लेने को मजबूर कर दिया हैं। दाल रोटी खाओं प्रभु के गुण गाओं के जुमले गायब हो गए हैं। गरीब वर्ग को आजकल दिहाड़ी मजदूरी कर दाल रोटी का जुगाड़ कर पाना मुश्किल हो रहा हैं। चल रहे वर्ष में नजर दौड़ाई जायें तो दाल, चावल, गेंहू और दूध, सब्जी जैसी आवश्यक वस्तुओं के दामों में बढोंत्तरी हुई हैं। जिस व्यक्ति की मासिक आमदनी सीमित हैं उसके लिये गृहस्थी की गाड़ी खींच पाना बहुत ही मुश्किल हो रहा हैं। अगर किसी के पास आय के अतिरिक्त साधन नहीं हैं तो नौबत कर्ज लेने की आ सकती हैं। नागरिकों की जेब पर पड़ रही इस आर्थिक मार ने उनका जीना दुश्वार कर दिया हैं। पेट की भूख मिटाने के लिये रोटी सबसे बड़ी नियामत हैं लेकिन गेंहू चावल दाल के भावों में हो रही लगातार वृद्धि ने अब आदमी के मुंह से निवाला छीन लिया हैं। गेंहू 30 से 40 रूपये तक बिक रहा हैं। चावल 40 से लेकर 100 रूपये किलो तक बिक रहा है जीवनोपयोगी अन्य वस्तुओं ने भी उपभोक्ताओं को बदत्तर स्थिति में जीने को मजबूर कर दिया हैं। शक्कर की मिठास को भावों की तेजी ने कड़वी कर दी हैं उपवास करना भी मंहगा साबित हो रहा हैं। मूंगफली व पापड़ नरियल भी मंहगाई की चपेट में हैं। खाद्य, तेल, सब्जी, घी आदि के भाव आसमान छू रहे हैं।

जानकारों का कहना हैं कि बाजार में कीमतों का गणित मांग हैं और पूर्ति के बीच के फसलों पर निर्भर हैं। यह अंतर जितना ज्यादा होगा कीमतें उतनी ही बढ़ेगी। बढ़ती महंगाई ने परेशानियों में चौतरफा बढोत्तरी की हैं। यदि सोच समझकर खरीददारी नहीं की गई तो और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम घटते और बढ़ते रहते हैं। आवश्यक वस्तुओं के साथ गृह निर्माण में काम आने वाले समानों के दामों में भी वृद्धि हुई हैं। अब लोगों को मकान बनाना भी मुश्किल हो गया हैं। 700-800 रूपये ट्रॉली वाली रेत 4000 से 5000 रूपये ट्रॉली बेची जा रही हैं। वहीं तो गिट्टी तो ऊंचे दामों के बाद भी लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। यहां तक कि सीमेंट के दाम भी 300 रूपये प्रति बोरी के ऊपर जा चुके हैं। वही लोहे की कीमत भी आसमान छू रही है। हर तरफ महंगाई की मार दिखाई दे रही है। बढ़ते दामों को देखते हुए अब मजदूरों ने भी अपना पारिश्रमिक दाम बढ़ा दिया है। आम आदमी का मकान बनाने का सपना शायद अब संभव नहीं हैं। बढती मंहगाई ने उसकी कमर तोड़ दी हैं। अब लोगों को घर चलाना मुश्किल हो रहा हैं। ऐसे में अन्य संसाधन जुटा पाना तो मानों सपनों की बात हैं। उद्योगविहीन इस जिले में आम आदमी की स्थिति ठीक नहीं है। बढ़ती महंगाई का सीधा असर बिल्डिंग निर्माण सम्बंधी मेटेरियल पर हुआ है जिसके चलते इस समय आम आदमी के लिए अपना आशियाना बना पाना वश के बाहर हो गया है। हर दिन निर्माण सामग्री के रेट बढ़ रहे हैं। क्योंकि साधारण तौर पर हजार बारह सौ रुपए प्रति वर्गफुट पड़ने वाला अति साधारण कंस्ट्रक्शन भी इस समय औसतन डबल से ट्रिपल पड़ रहा है। इसकी सीधी वजह सिर्फ और सिर्फ बिल्डिंग मेटेरियल का महंगा हो जाना है। नए वित्तीय वर्ष में भी रेत, गिट्टी, ईट, सीमेंट, लोहा स्टील से लेकर साधारण सेनटरी वक्स तक कई गुना महंगे में खरीदना पड़ रहा है। बताया गया है कि सीमेंट 40 प्रतिशत, सरिया 63 प्रतिशत, फ्लाय ऐश ब्रिक्स 50 प्रतिशत, पीवीसी कण्ड्यूट पाइप 61 प्रतिशत, वेट्रिफाइड टाइल्स 33 प्रतिशत, एल्यूमीनियम 80 प्रतिशत, वायर वि के बल्स 50 प्रतिशत कॉपर 58 प्रतिशत और ग्लास 100 प्रतिशत महंगा हो चुका है। रिटेल महंगाई आठ साल में सबसे ऊंचे स्तर 77.9 रू पर पहुंच गई है खाद्य तेल, सब्जी, मसाले, घरेलू सामान, ईंधन, बिजली और ट्रांसपोर्ट सब की दरें बढ़ गई हैं जिन चीजों के दाम बढ़ जाते हैं फिर उनके कम होने का तो कोई सवाल ही नहीं पैदा होता। आम लोगों को कैसे लूटा जा रहा है इसका नमूना देखिए सामानों की मात्रा कम करके दाम वही रखा जा रहा है पहले 100 ग्राम का पैकेट जिस कीमत में आता था उसी कीमत में आज 70 ग्राम मिल रहा है।

ढीमर मांझी समाज ने मनाई निषादराज जयंती

मण्डला (नि.प्र.) जिले में निषादराज जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय में सामाजिक बंधुओ के द्वारा धूमधाम से पूरे जिले में अलग-अलग स्थानों पर पूजन पाठ कर वाहन रैली, कलश यात्रा व भंडारा प्रसादी वितरण कर समाजजनों के साथ जयंती मनाई गई। सामाजिक बंधुओं के द्वारा निषादराज जयंती को लेकर के लंबे समय से तैयारी कर युवाओं एवं महिलाओं में अलग ही जोश एवं उत्साह रहा। यह जयंती चैत्र शुक्ल की पंचमी की तिथि को मनाई जाती है। मांझी ढीमर समाज के जिलाध्यक्ष उमाशंकर गुड्डू सिंधिया ने बताया कि भगवान राम के सखा के रूप में निषादराज को जाना जाता है। ये वहीं निषादराज जी हैं जिन्होंने भगवान श्रीराम को गंगा पार कराई थी। भगवान श्रीराम के चरण कमल धोकर पुण्य अर्जन किया था। उसी परंपरा को निर्वहन करते हुए मण्डला में सामाजिक बंधुओं के द्वारा बड़ी संख्या में निषादराज भवन में उपस्थित होकर निषादराज जी के बारे में उनके जीवन परिचय और सामाजिक समसरता की बात को लेकर समाज के वरिष्ठजनों के द्वारा अपनी-अपनी बात रखी। मांझी ढीमर समाज के संयोजक श्रीलाल नंदा, सरंक्षक थामन बरमैया, एड.दुलीचंद नंदा, रमेश नंदा, शेखर सिंधिया,

रामप्रकाश नंदा, पदमा नंदा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं राजराजेश्वरी वार्ड में बैसाखू लाल नंदा जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में रमपुरा, देवदरा में विजय नाविक, बम्हनी बद्री नंदा जिला उपाध्यक्ष, ककैया रमेश नंदा , हिरदेनगर मनोज नंदा, अंजनियां रामकृपाल नंदा, घुघरी ध्रुव नंदा, मोहगांव देवगांव संगम सगनू नंदा जिला उपाध्यक्ष, नारायणगंज सुनील मांझी, निवास संतोष बरमैया, इसी प्रकार पूरे जिलें में अलग-अलग स्थानों पर निषादराज जयंती मनाई गयी।

मां राजराजेश्वरी का किया श्रृंगार आस्था में डूबे भक्त

मण्डला (नि.प्र.)

नारी को समाज में शक्ति स्वरूपा और देवी का दर्जा प्राप्त है। वह जननी पालनकर्ता और प्रथम गुरु के रूप में समाज की आधार शिला मानी जाती है। इसी भावना को साकार करते हुए नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर की मातृ शक्तियों ने धार्मिक आयोजन कर श्रृद्धा और आस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। सनातन हिन्दू नववर्ष एवं पावन नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज बिछिया की महिलाओं द्वारा नगर स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में पंचमी के दिन महाआरती कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों और आकर्षक रंगोली से सजाया गया जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में नगर की माताओं और बहनों ने मिलकर मां भवानी का विधिवत पूजन-अर्चन किया। देवी को फल-फूल मिठाई का भोग अर्पित किया गया तथा साड़ी और श्रृंगार समर्पित कर आदिशक्ति का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात भव्य महाआरती का आयोजन हुआ जिसमें श्रृद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया महाआरती के बाद भक्तों के बीच केले एवं पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति गीतों की मधुर धुनों पर मातृशक्तियों ने भजन-कीर्तन और नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज की अध्यक्ष संगीता गर्ग सहित समाज की वरिष्ठ सदस्य शशि मिश्रा, मोहनी गर्ग, अरुणा दीक्षित, संध्या पांडे, सुषमा पांडे, आरती उपाध्याय, रतना गर्ग, निशा गर्ग, ममता पांडे, योगिता जोशी, लक्ष्मी भट्ट, रोशनी दुबे, नेहा मिश्रा, उमा मिश्रा, नीता उपाध्याय, नीलू तिवारी, अभिलाषा उपाध्याय, आयुषी मिश्रा, आरती शर्मा, राधिका दुबे, अर्चना पांडे, रानू पांडे, रिया पांडे, रानू मिश्रा, नीता दीक्षित, स्मृति जोशी, रजनी दुबे, अंशिका पांडे, संगीता जोशी, विधि दुबे सहित नगर की समस्त माताएं नारी शक्ति बच्चे एवं अन्य श्रृद्धालु उपस्थित रहे।

भीमडोंगरी आंगनवाड़ी केंद्र में प्रवेशोत्सव

मण्डला (नि.प्र.) मवई विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत भीमडोंगरी के आंगनवाड़ी केंद्र में विद्यारंभ प्रमाणपत्र वितरण एवं प्रवेशोत्सव कार्यक्रम बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित बच्चों का स्वागत करना एवं प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति अभिभावकों को जागरूक करना था कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर उपस्थित रहे उनके साथ उप सरपंच हनुमान जाट, सचिव जय सिंह धुर्वे, गुलाब उइके, पर्यवेक्षक श्रीमती कमला परस्ते सहित गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने नवप्रवेशित नन्हे-मुन्ने बच्चों को विद्यारंभ प्रमाणपत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के जीवन की मजबूत नींव होती है आंगनवाड़ी केंद्र न केवल शिक्षा, बल्कि पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पांच कुण्डीय महायज्ञ का हुआ आयोजन

मण्डला (नि.प्र.)

मंडला-निवास मार्ग पर स्थित ग्राम देवरीकला बबलिया में भक्ति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। भाजपा जिला सदस्य एवं पूर्व उपसरपंच बाबूलाल यादव ने अपने 65वें जन्मदिवस को यादगार बनाने के लिए एक विशेष आध्यात्मिक संकल्प लिया है। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार और ग्रामवासियों के सहयोग से दो दिवसीय 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत मंगलवार को दोपहर 3 बजे शिव मंदिर से निकाली गई भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें और श्रद्धालु शामिल हुए जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। यह आयोजन पुराना बालक छात्रावास बस स्टैंड बबलिया परिसर में संपन्न हो रहा है। महायज्ञ के दूसरे दिन बुधवार सुबह 7.30 बजे से 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ होगा। इस दौरान विभिन्न वैदिक संस्कारों का संपादन भी किया जाएगा। क्षेत्रीय श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस यज्ञ की आहुति में शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। आयोजन का मुख्य आकर्षण बुधवार शाम 6 बजे होने वाला भव्य दीप महायज्ञ होगा। सैकड़ों दीपों की रोशनी और गायत्री मंत्रों के उच्चारण के साथ इस दो दिवसीय धार्मिक उत्सव का समापन किया जाएगा। बाबूलाल यादव की इस पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है जहाँ उन्होंने व्यक्तिगत उत्सव को लोक-कल्याण और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ा है।

संकल्प से समाधान विशेष अभियान के तहत शिविर आयोजित

मण्डला (नि.प्र.)

शासन के निर्देशानुसार सुशासन एवं स्वरोजगार हेतु संकल्प से समाधान विशेष अभियान अंतर्गत लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण हेतु 24 मार्च को वार्ड क्रमांक 11 स्थित सामुदायिक भवन में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हितग्राहियों के प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर लाभ प्रदान किया गया। उक्त शिविर में अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आशुतोष ठाकुर, पार्षद राजाराम शर्मा , नितिन ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, राजस्व उप निरीक्षक प्रेम कुमार चौटेल एवं संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएम आवास का काम बंद करवाने की दी जा रही धमकी

मण्डला (नि.प्र.)

जिला मुख्यालय उमरिया के वार्ड नं. 04 निवासी भग्गो पासी पति भूरा पासी ने जन सुनवाई में आवेदन करते हुए बताया कि प्रार्थिया के नाम से पी.एम. आवास हेतु राशि आवंटित हुई है जिसमें मुझ प्रार्थिया का पी. एम. आवास का कार्य चल रहा है।

नगरपालिका परिषद उमरिया में पदस्थ बबलू डोमार के द्वारा पी. एम. आवास पैसा आने पर 5000 रू. की मांग मुझ प्रार्थिया से कर रहा है मेरे द्वारा उपरोक्त राशि न देने पर जो मुझ प्रार्थिया का आवास बन रहा है उसको आकर के कार्यरत मजदूरो का धमकाकर कार्य को बंद करवा देता है। और बोला जाता है कि यदि तुम 5000 रू. नही दोगी तो घर नही बनाने देगें।

विद्या आरंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मण्डला (नि.प्र.)

नगर के रानी अवंती बाई वार्ड में विद्या आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड की महिला सेक्टर सुपरवाइजर एवं एएनएम की गरिमामयी उपस्थिति रही जिससे कार्यक्रम को विशेष महत्व मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में घंसौर तहसीलदार श्रीमती शेफाली अग्रवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने शाला में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया इस दौरान उन्होंने अभिभावकों को भी बच्चों विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था साथ ही उपस्थित महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और शिक्षा से जुड़ी पहल का समर्थन किया इस आयोजन को सफल बनाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समीना खोखर एवं पचेश्वरी चौरसिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लाखों के गबन का आरोपी लेखापाल गिरफ्तार

लम्बे समय से चल रहा था फरार

मण्डला (नि.प्र.) पुलिस ने लाखों के गबन के आरोपी लेखापाल सुरेश कुमार तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। बीईओ कार्यालय नैनपुर में पदस्थ बीईओ सीएल पटेल एवं लेखापाल सुरेश कुमार तिवारी ने मिल कर लाखों रूपये की हेराफेरी की है जिसकी जांच करीब 1 वर्ष से संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा जबलपुर रोहित कौशल के संयुक्त दल द्वारा की जा रही थी। कौशल सहायक संचालक हेमकरण परस्ते, सहायक संचालक पंकज पटेरिया, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी अमित कुमार चतुर्वेदी, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी जितेश सलामें, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी चित्रलेखा मरावी, आकाश तिवारी सहायक ग्रेड-3, सहायक ग्रेड-3 जिला कोषालय मण्डला की जांच रिपोर्ट कपट पूर्ण संव्यवहार के संबंध में जांच रिपोर्ट कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश भोपाल को 14 सितम्बर 2024 भेजा गया। वाद इसके कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार पुलिस थाना नैनपुर में बीईओ सुभाषचन्द्र चतुर्वेदी नैनपुर के द्वारा 11 अगस्त 2025 को पुलिस थाना नैनपुर में उपस्थित होकर छोटे लाल पटेल पिता रामदास पटेल निवासी 428/8- ए रामनगर रामपुर जबलपुर तत्कालीन बीईओ सेवा निवृत्त, लेखापाल सुरेश कुमार तिवारी पिता केशव प्रसाद तिवारी नैनपुर, श्रीमति सरिता तिवारी पति सुरेश कुमार तिवारी नैनपुर, आयुषी तिवारी पिता सुरेश कुमार तिवारी तीनो निवासी वार्ड क्रमांक 02 सिविल लाईन नैनपुर पर मामला पंजीबद्ध करने पुलिस थाना प्रभारी बल्देव सिंह मुजाल्दा नैनपुर ने मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

रसोईयों के हित में कोर्ट जाने बनी रणनीति

मण्डला (नि.प्र.)

जिले में मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर चला रहे रसोईया संगठन के संस्थापक पीडी खैरवार के मार्गदर्शन में रसोईया उत्थान संघ समिति के द्वारा जिले भर में जगह-जगह संविधानिक तरीके से शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन का अभियान जारी कर दिया गया है। इसी तारतम्य में 15 मार्च रविवार को बीजाडांडी और मवई 23 मार्च सोमवार को घुघरी के सलवाह में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया। जो लगातार विकासखंड वार जारी रहेगा। धरने में उपस्थित रसोईया रसोईयों के प्रति सरकार का ध्यान नहीं जाने जैसे अमानवीय रवैए पर चिंतन साझा किया गया मुख्य चर्चा लगभग चार दशक से काम करते आने के बाद भी सरकार के द्वारा अस्थाई कर्मी बनाए रखकर लंबे समय से बदस्तूर जारी शोषण से बचाने न्यायालय की शरण जाएंगे विधानसभा सत्र में रसोईयों की समस्या को लेकर प्रश्न रजिस्ट्रेशन कराने क्षेत्रीय विधायकों से संपर्क करेंगे रसोईयों के हित में स्थाई नियम बनाने की मांग उठाते रहेंगे।

इनर व्हील ने मनाया गणगौर उत्सव

मण्डला (नि.प्र.) इनर व्हील क्लब के सदस्यों द्वारा गणगौर उत्सव बड़े ही उत्साह श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने एकजुट होकर भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना की तथा वैवाहिक सुख, पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना की गणगौर पर्व का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। गण का अर्थ भगवान शंकर और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। यह पर्व उनके पवित्र मिलन का प्रतीक माना जाता है जो दांपत्य जीवन में प्रेम समर्पण और विश्वास का संदेश देता है।

मॉयल लिमिटेड भरवेली को कनकी में स्वीकृत हैं तीन खदान

मण्डला (नि.प्र.)

मध्यप्रदेश शासन के खनिज साधन विभाग, भोपाल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत मॉयल लिमिटेड भरवेली को स्वीकृत खदानों के पुनर्भरण के लिए शासन स्तर से रेत खदान स्वीकृत की गई है। मायल लिमिटेड भरवेली को ग्राम कनकी में तीन खदानें स्वीकृत हैं, जिनसे रेत का खनन कर उपयोग किया जा रहा हैं। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि विभाग के आदेश क्रमांक 19 फरवरी 1997, 13 अक्टूबर 2000 एवं 26 नवंबर 2016 के तहत ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा स्थित विभिन्न खदान क्षेत्रों में मॉयल लिमिटेड को खनन पट्टे स्वीकृत किए गए हैं।

रेलवे प्लेटफार्म चार के बाहर बना रेड लाइट एरिया

देह व्यापार के लिए खड़ी महिलाएं पुलिस को देख भागीं

गेस्ट हाउस और होटलों में दबिश के दौरान मिली आपत्तिजनक सामग्री

नगर संवाददाता, मुरैना

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-4 के बाहर लक्ष्मणपुरा कलारी के पास संदिग्ध गतिविधियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने मंगलवार को अचानक सख्त कार्रवाई की। एएसपी अनु बेनीवाल के नेतृत्व में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया।

पुलिस के पहुंचते ही फुटपाथ पर खड़ी महिलाएं भाग खड़ी हुईं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। एक युवती को रोककर पूछताछ की गई, लेकिन उसने किसी भी अनैतिक गतिविधि में शामिल होने से इंकार किया।

इसके बाद पुलिस टीम ने आसपास स्थित गेस्ट हाउस, लॉज और होटलों में तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान किसी महिला के मौजूद होने की पुष्टि नहीं हुई, हालांकि कुछ स्थानों से

आपत्तिजनक सामग्री जरूर बरामद हुई। पुलिस ने होटल संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पूरी जानकारी रजिस्टर में दर्ज करें। कार्रवाई के दौरान लक्ष्मणपुरा और आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। बताया गया है कि पूर्व में जीआरपी द्वारा भी इस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत पड़ाव थाना पुलिस से की गई थी।

अवैध शराब जब्त

चेकिंग के दौरान पुलिस ने लक्ष्मणपुरा कलारी के पास एक गुमठी से अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने शराब जब्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। साथ ही सड़क किनारे शराब पीने वालों को कड़ी फटकार लगाई।

इनका कहना है

आने वाले समय में होटलों और गेस्ट हाउसों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी। तलाशी के दौरान किसी भी स्थान से कोई महिला नहीं मिली है। एक युवती ने पुलिस को देखकर दौड़ लगा दी थी।

अनु बेनीवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर मध्य

योगगुरु स्वामी जीतानंद ने बनाया 12 वां विश्व रिकॉर्ड

ग्वालियर,न.सं.। भिंड के छोटे से गांव अकोड़ा से निकले प्रसिद्ध योग गुरु स्वामी जीतानंद ने 68 वर्ष की आयु में बारहवां विश्व रिकॉर्ड हासिल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 12वां रिकॉर्ड विपरीत पाद उद्यान अति विशिष्ट योनि मुद्रा आसन निर्धारित समय तक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया। इसे इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड से मान्यता है। इस उपलब्धि पर स्वामी जी ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक से मुलाकात कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। इसके पहले उन्हें ग्रेट इंडियन पार्लियामेंट अवार्ड के साथ कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 24 वर्ष से योग की कक्षाएं एवं प्रशिक्षण शिविर लगा रहे हैं। उनके शिविर से प्रशिक्षित शिष्य विदेश में जाकर इसका प्रचार कर रहे हैं। उनके द्वारा प्रदर्शित 100 प्रकार के विशेष कठिन आसन लगाना हर किसी के वश की बात नहीं है। विशेष आहार और नियंत्रित जीवन शैली से यह संभव हो सका है। उनका संकल्प सौ विश्व रिकॉर्ड बनाने का है।

दो महीने में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए अब लिंक खोलने को लेकर हंगामा, धरना

नगर संवाददाता, मुरैना

जीवाजी विश्वविद्यालय में स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोलने को लेकर कुछ छात्रों ने हंगामा कर दिया। इनका नेतृत्व एनएसयूआई के पदाधिकारी कर रहे थे। दोपहर में इन्होंने कुलसचिव और कुलपति कार्यालय पर धरना दिया, शाम को यह छात्र कुलगुरु के निवास पर धरना देने पहुंच गए। विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना था कि परीक्षा शुरू होने में दो दिन बचे हैं, ऐसे में परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोलने से अव्यवस्था हो सकती है। उल्लेखनीय है कि दो माह से परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है। एनएसयूआइ के जेयू अध्यक्ष पारस यादव के नेतृत्व में छात्रों ने कुलसचिव से मुलाकात कर परीक्षा फार्म भरने के लिए लिंक खोलने की मांग रखी।

इस पर कुलसचिव ने परीक्षाएं 26 मार्च से शुरू होने का हवाला देते हुए लिंक खोलने से इंकार कर दिया। इससे नाराज छात्र नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया। पारस यादव ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आनन-फानन में कुछ परीक्षा केंद्र बदल दिए हैं, जिससे मुरैना जिले के निजी कॉलेजों को फायदा पहुंचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन कॉलेजों के केंद्र सरकारी स्कूलों में बनाए गए हैं, वहां नकल की आशंका बढ़ जाती है। मांगों पर सुनवाई न होने पर छात्र नेता पहले कुलसचिव कार्यालय और फिर कुलगुरु निवास के सामने धरने पर बैठ गए। रात लगभग 9:30 बजे छात्रों ने कुलसचिव राजीव मिश्रा ने छात्रों से ज्ञापन लेकर नियमानुसार विचार करने का आश्वासन दिया तब वह धरने से उठे।

मजिस्ट्रेट चेकिंग में नहीं चला रुतबा, नेताओं के वाहनों पर भी चालान

72 वाहनों से 1.12 लाख जुर्माना वसूला

नगर संवाददाता, मुरैना

यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले विधायक प्रतिनिधि कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद का न्यायिक मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में रुतबा नहीं चला और उनके वाहनों को जुर्माना वसूलने के बाद ही छोड़ा गया। चेकिंग अभियान में कार, दो पहिया वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।

मंगलवार शाम के समय गोविंदपुरी चौराहा पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत पाण्डेय के आदेश पर विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात

पुलिस ने चेकिंग के दौरान विधायक प्रतिनिधि विधानसभा करैरा शिवपुरी और पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद झुण्डपुरा मुरैना की कारों को रोक लिया। इसके अलावा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण प्रभूदयाल जौहरे की भी कार को रोक लिया। हालांकि उक्त सभी लोगों ने अपने रुतबे का प्रयोग करने का प्रयास किया, लेकिन उनकी एक नहीं चली और मजिस्ट्रेट चेकिंग देख जुर्माना देकर अपनी गाड़ी लेकर मौके से रवाना हुए। पुलिस ने कारों पर लगे दस हूटर हटाए तो वहीं दस कारों से काली फिल्म उतारी गई। इसी तरह 8 मोटर साइकिलों से मॉडीफाइड साइलेंसरों को भी निकाला गया। चेकिंग के दौरान 72 वाहनों से एक लाख 12 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। चेकिंग में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सक्षम नरुला, भूपेन्द्र सिंह कुशवाह, विशाल जेठवा और मानसी बालूजा के मार्गदर्शन में चली। इस मौके पर गोला का मंदिर थाना प्रभारी यातायात अभिषेक रघुवंशी थाटीपुर थाना स्टाफ सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

निगम के इंजीनियर की निकाली हेकड़ी

नगर निगम के इंजीनियर सुरेश अहिरवार अपनी कार पर हूटर लगाकर जा रहे थे। पुलिस ने चेकिंग में जब उनकी कार को रोका और गैर कानूनी ढंग से हूटर लगाने के बारे में पूछा तो वह अपना रुतबा दिखाने का प्रयास करने लगे, लेकिन मजिस्ट्रेट चेकिंग में एक नहीं चली। हूटर निकालने के साथ गाड़ी का चालान भी किया गया।

बैंक के ड्रॉप बॉक्स से चेक चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नगर संवाददाता, मुरैना

पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से अकाउंट-पे चेक चोरी कर रकम निकालने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को पुलिस ने हरियाणा की जेल से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी को प्रोटेक्शन वारंट पर लाकर फर्जीबाड़े के बारे में पूछताछ कर रही है।

नदी गेट सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय की प्राचार्या कल्पना सिकरवार ने अपने विद्यालय के कर्मचारी को एक लाख रुपए का चेक अचलेश्वर मंदिर के पास पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में 18 नवम्बर को अंकाउट-पे चेक जमा करने के लिए भेजा था। बैंक के ड्रॉप बॉक्स से चेक चोरी हो गया था। बाद में शातिर ठगों ने चेक के माध्यम से नकदी भी निकाल ली थी। उक्त मामले में पुलिस ने 4 फरवरी 2026 को अमृतसर निवासी रजनीश चौहान को गिरफ्तार किया था। रजनीश ही बैंक में चेक लगाकर नकद राशि निकालने गया था। पुलिस गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश कर रही थी। पुलिस को चेक का भुगतान करने वाली बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा पहुंची और जब पड़ताल की तो खाते से रुपए निकालने वाले का आधार कार्ड का नम्बर मिल गया। बैंक ऑफ बड़ौदा से 50 हजार रुपए से ज्यादा निकालने पर आधार कार्ड का नम्बर अंकित किया गया था। रजनीश के बारे में पता चलने पर उसने सुनील रंधावा का नाम बताया। पुलिस लम्बे समय से सुनील की तलाश कर रही थी। पुलिस अमृतसर पहुंची और जब सुनील के बारे में पता चला कि वह इस समय हरियाणा की कैथल जेल में बंद है तो उसे जेल से प्रोटेक्शन वारंट पर ग्वालियर लाया गया। पकड़े गए मास्टर माइंड सुनील से अपराध शाखा की टीम बैंक से चेक चोरी करने की और घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है।

रजनीश व सुनील साथ आए थे शहर

अमृतसर से सुनील रंधावा और रजनीश चौहान 18 नवम्बर को साथ आए थे। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से चेक चोरी किया और चेक पर बनी अकाउंट-पे की लाइन मिटा दिया था। दोनों शातिर हैं लाइन को मिटाने के बाद ही चेक का भुगतान करा लेते थे।

136वां अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन भोपाल में होगा

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के तत्वावधान में 136वां अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 5 अप्रैल को भोपाल स्थित मानस भवन में किया जाएगा। सम्मेलन में भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, देवास, खरगोन, शिवपुरी, गुना, सतना, पन्ना, रतलाम के अग्रबन्धु अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए इस सम्मेलन में शामिल होंगे। अब तक लगभग 350 परिवार अपने बच्चों का पंजीयन करा चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि यह सम्मेलन समाज के युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने जीवनसाथी का चयन कर सकेंगे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर लोगों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में पूनम अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, साधना गोयल, प्रीति बिंदल, मुकेश सिंघल आदि उपस्थित रहे।

मुरार जिला अस्पताल में पहली बार ऑर्थ्रोस्कोपिक एसीएल सर्जरी सफल

नगर संवाददाता, मुरैना

जिला अस्पताल मुरार में पहली बार ऑर्थ्रोस्कोपिक तकनीक से एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) पुनर्निर्माण सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की है। अब तक इस प्रकार की जटिल सर्जरी केवल बड़े निजी अस्पतालों तक ही सीमित थी, लेकिन अब यह सुविधा सरकारी अस्पताल में भी उपलब्ध हो गई है।

इस जटिल सर्जरी को ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों की एक कुशल टीम ने अंजाम दिया। टीम में डॉ. यश शर्मा और डॉ. राहुल अर्गल (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ. श्रद्धा गोस्वामी एवं डॉ. श्रास्ति वर्मा (एनेस्थीसियोलॉजिस्ट) शामिल रहीं। पूरी प्रक्रिया वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. विपिन गोस्वामी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरी की गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार ऑर्थ्रोस्कोपिक तकनीक के माध्यम

से की गई यह सर्जरी आधुनिक और कम इनवेसिव (कम चीरे वाली) प्रक्रिया है, जिसमें मरीज को पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कम दर्द और जल्दी रिकवरी मिलती है। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है। इस उपलब्धि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव और सिविल सर्जन डॉ. राजेश कुमार शर्मा का विशेष मार्गदर्शन और सहयोग रहा। अस्पताल प्रशासन ने पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और भी उन्नत सर्जरी शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सुविधा के शुरू होने से अब क्षेत्र के मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों या निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

ऑर्थ्रोस्कोपिक एसीएल सर्जरी के फायदे: छोटे चीरे के साथ सर्जरी, जिससे निशान कम रहता है। पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कम दर्द, संक्रमण का खतरा कम और मरीज जल्दी चलने-फिरने लगता है। मरीज अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहना पड़ता है।

आदर्श गौशाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा संचालित लाल टिपारा स्थित आदर्श गौशाला को गौ सेवा और संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित गौ टेक 2026 काऊ बेस्ड ग्लोबल समिट एंड एक्सपो में इस गौशाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान श्री कृष्णायन देशी गौरक्षा शाला के संत स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज को समर्पित किया गया। चूंकि स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज वर्तमान में ऋषिकेश में नवरात्रि के दौरान जलहारी व्रत में हैं, इसलिए उनके प्रतिनिधि के रूप में हर्ष श्रीवास्तव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। पुरस्कार पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष वल्लभभाई कथीरिया और महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष शेखर मुंडाला द्वारा प्रदान किया गया। आदर्श गौशाला का संचालन नगर निगम द्वारा स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में ग्वालियर नगर निगम एकमात्र ऐसा निकाय है, जो पिछले लगभग 15 वर्षों से गौशाला का संचालन कर रहा है। यहां गायों की देखभाल, संरक्षण और प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जो इसे अन्य गौशालाओं से अलग पहचान दिलाती हैं।

रेलवे पुलिस की तत्परता: बीमार यात्री को बचाया, बिछड़ा परिवार मिलाया

नगर संवाददाता, मुरैना

रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के तहत यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के तीन अलग-अलग मामलों में सराहनीय कार्य सामने आए हैं। ऑपरेशन सेवा, ऑपरेशन डिग्निटी और ऑपरेशन अमानत के तहत समय पर कार्रवाई कर न केवल यात्रियों की मदद की गई, बल्कि उनकी जान और सामान की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई।

गाड़ी संख्या 19054 में सफर कर रहे एक यात्री लाल यादव (58) की अचानक तबियत बिगड़ गई। झांसी कंट्रोल से सूचना मिलने पर उप निरीक्षक रविंद्र सिंह राजावत और प्रधान आरक्षक केडी यादव ने तुरंत कोच बी-5, सीट 44 पर पहुंचकर यात्री को अटेंड किया। यात्री ने बताया कि आगरा

पार करने के बाद उसका शुगर और बीपी बढ़ गया, जिससे वह बेहोश हो गया। उसे तत्काल एंबुलेंस से भगत सहाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार कर ग्लूकोज चढ़ाया। हालत में सुधार होने पर यात्री को वापस स्टेशन लाया गया।

मंगलवार को को ट्रेन नंबर 12646 में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बच्ची के छूटने की सूचना मिली। प्रधान आरक्षक केडी यादव और महिला आरक्षक भावना ने उन्हें सुरक्षित उतारकर पोस्ट लाया। महिला मिथिलेश (33) ने बताया कि वह गलती से गलत ट्रेन में चढ़ गई थी और उसके पति आगरा स्टेशन पर ही रह गए। दोपहर में पति नौवत सिंह के पहुंचने पर आवश्यक जांच के बाद दोनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। इसी दिन ट्रेन संख्या 12269 चेन्नई दुरंतो एक्सप्रेस में छूटा एक लेडीज पर्स भी सुरक्षित लौटाया गया। आरक्षक शिवशंकर सिंह ने ए-2 कोच से पर्स बरामद कर पोस्ट पर जमा किया। बाद में यात्री के प्रतिनिधि को सत्यापन के बाद पर्स सौंपा गया, जिसमें सोने के टॉप्स, 11,500 रुपए नकद सहित करीब 95 हजार रुपए का सामान था।

मनोबल सत्र-2026 का समापन

विद्यार्थियों को मिला तनावमुक्त परीक्षा का मंत्र

नगर संवाददाता, मुरैना

प्रबंध अध्ययनशाला में मनोबल सत्र-2026 के समापन अवसर पर परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन विषय पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को परीक्षा के समय तनाव से निपटने के प्रभावी उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बीएसएसएस महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विनय मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तनाव सोचने से नहीं, बल्कि एक्शन लेने से कम होता है। उन्होंने बताया कि तनाव की एक सीमा तक रहने पर प्रदर्शन बेहतर

होता है, लेकिन सीमा से अधिक होने पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग से बचते हुए छोटे-छोटे एक्शन लेने चाहिए।

डॉ. मिश्रा ने पढ़ाई के दौरान नियमित अंतराल पर 5 मिनट का ब्रेक लेने, अध्ययन सामग्री को हाईलाइट करके पढ़ने और स्मार्ट स्टडी तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सही रणनीति के साथ पढ़ाई करने से तनाव स्वतः कम हो जाता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा जीवन का अंतिम निर्धारक नहीं होती है। तनाव से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें, परिणाम निश्चित रूप से सकारात्मक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की चिंता या परेशानी होने पर उसे अपने मित्रों या परिवारजनों के साथ साझा करना चाहिए। निरंतर सीखते रहना ही जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ.साधना श्रीवास्तव,डॉ.सुनीषा कुलकर्णी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कांग्रेस टैलेंट हंट में साक्षात्कार

ग्वालियर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त टैलेंट हंट पैनल के समक्ष मंगलवार को ग्वालियर-चंबल संभाग से युवा दावेदारों ने साक्षात्कार में भाग लिया। इस अवसर पर विधायक हेमंत कटारे, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल यादव, अपूर्व भारद्वाज, राकेश अचल, राकेश अग्रवाल सहित पैनल के सदस्यों ने दावेदारों से सवाल किए। उनके बायोडाटा का परीक्षण कर पृथक-पृथक चर्चा कर उनकी राजनीतिक समझ, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और जनसरोकारों पर दृष्टिकोण को परखा। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव एवं प्रदेश सचिव राहुल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के खिलाफ निकाली रैली, दिया ज्ञापन

नगर संवाददाता, मुरैना

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में पदस्थ प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जुलाई-अगस्त में प्रस्तावित शिक्षक पात्रता का विरोध शिक्षक संगठनों द्वारा किया जा रहा है। इसको लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस द्वारा एक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधीश प्रतिनिधि अनिल राघव को सौंपा। रैली में 500 से ज्यादा शिक्षक मौजूद थे। ज्ञापन प्रदेश महामंत्री मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस राजीव पाठक तथा जिलाध्यक्ष कमल लोधी के नेतृत्व में दिया गया। शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों का कहना था कि जिस समय शिक्षक नौकरी में आए थे उस

समय जो नियम थे उनके अनुसार नियुक्ति दी गई थी, अब जब वह नौकरी के आखिरी समय में हैं तब उनकी परीक्षा ली जा रही है। यह न्यायसंगत नहीं है। ऐसे शिक्षकों के पास पढ़ाने का तरीका है, लंबा अनुभव है, लेकिन फिर भी वह इस परीक्षा को देने के लिए सहमत नहीं हैं। जिस समय शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया गया, उसके बाद के शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा न्याय संगत है, लेकिन इससे पहले के शिक्षकों के लिए यह न्यायसंगत नहीं है। ज्ञापन देने वालों में वंदना कुशवाहा, संदीप शर्मा, वीरेंद्र पटसारिया, चंद्रेश पचौरी, वीरेंद्र यादव, सुनील ढोडी आदि मौजूद थे।

संपादकीय

अच्छा हुआ, सरदार तुम चले ....

कुछ लोग जीवन में बिना दस्तक आए चले आते हैं–और फिर कभी जाते नहीं। वे स्मृतियों में ठहर जाते हैं, विचारों में बस जाते हैं और समय के साथ एक सवाल बनकर हमारे सामने खड़े रहते हैं। भगत सिंह ऐसे ही एक नाम हैं–जो इतिहास का अध्याय नहीं, आज भी एक जीवित चुनौती हैं।

23 वर्ष की आयु में फांसी का फंदा चूम लेने वाला वह लड़का जिसने हंसते-हंसते फांसी को गले लगाया, दरअसल सत्ता बदलने नहीं, सोच बदलने निकला था। उसके लिए क्रांति का मतलब बंदूक भर नहीं था, बल्कि बराबरी, न्याय और इंसानियत से भरा समाज था। राजगुरु और सुखदेव जैसे साथियों के साथ उसने जो सपना देखा, वह आज भी अधूरा खड़ा है–हमारे सामने, हमारे भीतर।

आज हम एक आज़ाद देश में खड़े हैं, लेकिन क्या हमारी सोच सच में आज़ाद है? व्यवस्था के ढांचे में आज भी वही ऊँच-नीच, वही दूरी, वही हुक्म और वही खामोशी क्यों दिखती है? नाम बदल गए, कुर्सियां बदल गईं, लेकिन आम आदमी और सत्ता के बीच की खाई जस की तस क्यों है? 23 साल का यह मस्तमौला युवक केवल एक क्रांतिकारी नहीं था, बल्कि एक विचार था–व्यवस्था परिवर्तन का विचार। राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर उन्होंने जिस संघर्ष को जन्म दिया, उसका उद्देश्य केवल अंग्रेज़ों को भगाना नहीं, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समान समाज की स्थापना करना था।

लेकिन विडंबना देखिए–जिस आज़ादी का सपना उन्होंने देखा, वह आज भी अधूरा प्रतीत होता है। सत्ता बदली, चेहरे बदले, लेकिन व्यवस्था की आत्मा आज भी कहीं न कहीं औपनिवेशिक मानसिकता से जकड़ी हुई है। अंग्रेज़ों की आई.सी.एस. आज आई.ए.एस. बन गई, पर आम जनता और सत्ता के बीच की दूरी जस की तस बनी रही। और सबसे पीड़ादायक सवाल यह है कि जिन युवाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, क्या हम उन्हें वह सम्मान दे पाए, जिसके वे हकदार थे? यह केवल सरकारी फाइलों का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना की परीक्षा है। जब शहीदों के परिजन सम्मान के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हों, तो यह स्वतंत्र भारत के आत्ममंथन का विषय बन जाता है। आज शिक्षा, राजनीति और समाज–तीनों स्तरों पर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर हम उनके चित्रों पर फूल चढ़ाते हैं, नारे लगाते हैं–इंकलाब ज़िंदाबाद–और दूसरी ओर उनके विचारों को हाशिए पर डाल देते हैं। कभी उन्हें 'क्रांतिकारी' कहकर सीमित कर दिया जाता है, तो कभी 'आतंकवादी' कहकर उनके संघर्ष की आत्मा को ही संदिग्ध बना दिया जाता है।

वर्तमान भारत की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि हम अपने नायकों को पूजते तो हैं, पर समझते नहीं। भगत सिंह ने जिस समाजवाद, समानता और इंसानियत की बात की थी, वह आज नारे तक सिमट कर रह गई है। महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और बढ़ती संवेदनहीनता–ये सब उस अधूरे सपने की गवाही देते हैं।

प्रश्न यह नहीं है कि भगत सिंह को 'शहीद' का दर्जा मिला या नहीं–प्रश्न यह है कि क्या हमने उनके विचारों को अपने जीवन में स्थान दिया? क्या हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ न्याय केवल शब्द न हो, बल्कि व्यवस्था की नींव बने?

शायद यही कारण है कि यह कहना पड़ता है–अच्छा हुआ, सरदार तुम चले गए।

क्योंकि अगर तुम आज होते, तो या तो फिर से विद्रोह करते, या इस व्यवस्था की विडंबनाओं में कहीं खो जाते।

तुम्हारा चले जाना तुम्हें अमर कर गया–एक इंसान से विचार बना दिया।

सुविचार

जिसने अकेले रह कर अकेलेपन को जीता उसने सब कुछ जीता।

सेहत

चिरायता के मुख्य स्वास्थ्य लाभ

चिरायता पाउडर एक अत्यंत कड़वी लेकिन औषधीय जड़ी-बूटी है, जो लिवर को डिटॉक्स करने, खून साफ करने, शुगर कंट्रोल करने और त्वचा रोगों (पिंपल्स, खुजली) में अद्भुत लाभ देती है। यह इम्यूनिटी बढ़ाकर बुखार, संक्रमण, और पाचन संबंधी समस्याओं (गैस, एसिडिटी, पेट के कीड़े) को दूर करने में बहुत प्रभावी है।

चिरायता पाउडर के मुख्य स्वास्थ्य लाभ -

लिवर और पाचन में सुधार- चिरायता लीवर को डिटॉक्स (डिटॉक्सीफाई) करने में मदद करता है और पीलिया, फैटी लिवर के उपचार में फायदेमंद है। यह पेट के कीड़े खत्म करता है, भूख बढ़ाता है और पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है।

त्वचा के लिए वरदान- रक्त शोधक होने के कारण, यह कील-मुंहासे , फोड़े-फुंसी, चर्म रोग और खुजली में राहत देता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल- पारंपरिक रूप से चिरायता का उपयोग मधुमेह के मरीजों के लिए किया जाता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकता है।

बुखार और इन्फेक्शन से राहत- यह एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है, जो मलेरिया, टाइफाइड और अन्य पुराने बुखार को कम करने में मदद करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए- यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, जिससे सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं कम होती हैं।

त्वचा की देखभाल- चिरायता त्वचा के लिए भी बहुत उपयोगी है। इसके इस्तेमाल से त्वचा स्वस्थ और चमकदार दिखती है और कुष्ठरोग, दाद, खुजली और त्वचा के अन्य संक्रमणों को ठीक करने में मदद मिलती है।

शुद्ध रक्त- चिरायता रक्त शोधक भी है और यह रक्त संचार को पुनः प्राप्त करता है। इसके प्रयोग से शरीर के सूक्ष्मजीवों से मुक्ति मिलती है और रक्त में गंदगी का स्तर कम होता है।

सेवन करने का तरीका-

1-2 ग्राम चिरायता पाउडर को पानी के साथ, शहद के साथ या रात भर पानी में भिगोकर सुबह छानकर (काढ़ा बनाकर) लिया जा सकता है, 1mg के अनुसार यह बुखार और पेट की समस्याओं के लिए प्रभावी है।

सावधानी

यह स्वाद में बहुत कड़वा होता है।

गर्भवती महिलाओं और लो ब्लड शुगर वाले लोगों को इसके सेवन से बचना चाहिए।

अधिक सेवन से पेट में परेशानी हो सकती है, इसलिए विशेषज्ञ की सलाह से ही लें।

ज्ञानवाणी

सफलता की तैयारी

शहर से कुछ दूर एक बुजुर्ग दम्पत्ती रहते थे. वो जगह बिलकुल शांत थी और आस-पास इक्का-दुक्का लोग ही नज़र आते थे। एक दिन भोर में उन्होंने देखा की एक युवक हाथ में फावड़ा लिए अपनी साइकिल से कहीं जा रहा है, वह कुछ देर दिखाई दिया और फिर उनकी नज़रों से ओझल हो गया. दम्पत्ती ने इस बात पर अधिक ध्यान नहीं दिया, पर अगले दिन फिर वह व्यक्ति उधर से जाता दिखा।

अब तो मानो ये रोज की ही बात बन गई, वह व्यक्ति रोज फावड़ा लिए उधर से गुजरता और थोड़ी देर में आँखों से ओझल हो जाता। दम्पत्ती इस सुनसान इलाके में इस तरह किसी के रोज आने-जाने से कुछ परेशान हो गए और उन्होंने उसका पीछा करने का फैसला किया। अगले दिन जब वह उनके घर के सामने से गुजरा तो दंपत्ती भी अपनी गाडी से उसके पीछे-पीछे चलने लगे। कुछ दूर जाने के बाद वह एक पेड़ के पास रुक और अपनी साइकिल वहीँ खड़ी कर आगे बढ़ने लगा. 15-20 कदम चलने के बाद वह रुका और अपने फावड़े से ज़मीन खोदने लगा. दम्पत्ती को ये बड़ा अजीब लगा और वे हिम्मत कर उसके पास पहुंचे, तुम यहाँ इस वीराने में ये काम क्यों कर रहे हो ? युवक बोला, जी, दो दिन बाद मुझे एक किसान के यहाँ काम पाने के लिए जाना है।

और उन्हें ऐसा आदमी चाहिए जिसे खेतों में काम करने का अनुभव हो, चूँकि मैंने पहले कभी खेतों में काम नहीं किया इसलिए कुछ दिनों से यहाँ आकार खेतों में काम करने की तैयारी कर रहा हूँ!! दम्पत्ती यह सुनकर काफी प्रभावित हुए और उसे काम मिल जाने का आशीर्वाद दिया।

शिक्षा

दोस्तों, किसी भी चीज में सफलता पाने के लिए तैयारी बहुत ज़रूरी है. जिस ईमानदारी के साथ युवक ने खुद को खेतों में काम करने के लिए तैयार किया कुछ उसी तरह हमें भी अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

डॉलर बनाम युआन : तेल की राजनीति में कौन जीतेगा वैश्विक वर्चस्व ?

ज्ञानेन्द्र सिंह असवाल

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के वर्तमान दौर में वैश्विक शक्ति संतुलन केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक, ऊर्जा और मुद्रा आधारित प्रतिस्पर्धा का भी रूप ले चुका है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या ईरान अपनी युद्ध रणनीति के तहत (होर्मुज जलडमरूमध्य) जैसे विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग का उपयोग करते हुए, और तेल व्यापार को अमेरिकी डॉलर के बजाय (चीनी युआन) में स्थानांतरित कर, डॉलर की वैश्विक प्रभुता को चुनौती दे सकता है। यह विचार केवल एक सैद्धांतिक बहस नहीं है, बल्कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उभरते मुद्रा-विमुक्तिकरण के व्यापक रुझान का हिस्सा है, जिसमें कई देश अमेरिकी वित्तीय वर्चस्व से मुक्त होने के विकल्प तलाश रहे हैं।

> **सबसे पहले यदि हम होर्मुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक स्थिति को समझें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल एक समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकीर्ण जलमार्ग दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग पाँचवां हिस्सा वहन करता है। भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि ईरान इस मार्ग पर नियंत्रण स्थापित करता है या इसके माध्यम से गुजरने वाले जहाजों पर किसी प्रकार का दबाव बनाता है–चाहे वह सैन्य, प्रशासनिक या आर्थिक हो–तो इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक होगा। तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, और वैश्विक महँगाई जैसी स्थितियाँ तुरंत उत्पन्न हो सकती हैं। यहीं से ईरान की संभावित रणनीति का दूसरा आयाम सामने आता है–मुद्रा युद्ध।**

सबसे पहले यदि हम होर्मुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक स्थिति को समझें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल एक समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकीर्ण जलमार्ग दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग पाँचवां हिस्सा वहन करता है। भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि ईरान इस मार्ग पर नियंत्रण स्थापित करता है या इसके माध्यम से गुजरने वाले जहाजों पर किसी प्रकार का दबाव बनाता है–चाहे वह सैन्य, प्रशासनिक या आर्थिक हो–तो इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक होगा। तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, और वैश्विक महँगाई जैसी स्थितियाँ तुरंत उत्पन्न हो सकती हैं।

यहीं से ईरान की संभावित रणनीति का दूसरा आयाम सामने आता है–मुद्रा युद्ध। दशकों से वैश्विक तेल व्यापार मुख्यतः अमेरिकी डॉलर में होता आया है, जिसे पेट्रोडॉलर व्यवस्था कहा जाता है। इस व्यवस्था के कारण दुनिया भर के देशों को तेल खरीदने के लिए डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे डॉलर की माँग बनी रहती है और अमेरिका को आर्थिक शक्ति और स्थिरता प्राप्त होती है। यदि ईरान इस प्रणाली को चुनौती देते हुए यह घोषणा करता है कि उसके प्रभाव क्षेत्र में होने वाले तेल लेन-देन डॉलर के बजाय युआन में किए जाएँ, तो यह एक बड़े आर्थिक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है। इससे न केवल डॉलर की माँग में कमी आएगी, बल्कि चीन की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती भी मिलेगी। चीन पहले से ही इस दिशा में सक्रिय है। वह पेट्रोयुआन की अवधारणा को आगे बढ़ा रहा है, जिसके तहत वह तेल उत्पादक देशों के साथ युआन में व्यापार करने के समझौते कर रहा है। रूस, ईरान और कुछ अफ्रीकी देशों के साथ चीन के बढ़ते आर्थिक संबंध इस प्रक्रिया को और गति दे रहे हैं। ईरान, जो लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, के लिए यह रणनीति विशेष रूप से आकर्षक है, क्योंकि इससे वह अमेरिकी वित्तीय प्रणाली–विशेषकर अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग संदेश प्रणाली–की पकड़ से आंशिक रूप से बाहर निकल सकता है। इस प्रकार युआन में व्यापार न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक स्वतंत्रता का भी माध्यम बन सकता है।

हालाँकि, इस रणनीति की व्यवहारिकता पर गंभीर प्रश्न भी उठते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या युआन वास्तव में डॉलर का विकल्प बन सकता है? वर्तमान में डॉलर वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में सबसे अधिक प्रचलित है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी मुद्रा भंडार, और वित्तीय लेन-देन का बड़ा हिस्सा डॉलर में होता है। इसके पीछे केवल अमेरिका की आर्थिक शक्ति ही नहीं, बल्कि उसकी वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और तरलता भी है। इसके विपरीत, युआन अभी भी पूंजी नियंत्रण, सीमित परिवर्तनीयता और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी चुनौतियों से घिरा हुआ है। इसलिए कई देश अभी भी युआन को पूरी तरह अपनाने में हिचकिचाते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि युद्ध और संकट की स्थिति में वैश्विक निवेशकों का व्यवहार कैसा होता है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो जब भी विश्व में अस्थिरता बढ़ती है–चाहे वह युद्ध हो, आर्थिक संकट हो या महामारी–निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर भागते हैं। और इस सुरक्षित ठिकाने के रूप में अमेरिकी डॉलर सबसे आगे रहता है। इसका अर्थ यह है कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से तनाव बढ़ाता है या युद्ध की स्थिति पैदा करता है, तो अल्पकाल में डॉलर कमजोर होने के बजाय और मजबूत हो सकता है। यह उस रणनीति के विपरीत परिणाम होगा, जिसका उद्देश्य डॉलर को कमजोर करना है।

इसके अलावा, ईरान की अपनी सीमाएँ भी हैं। यदि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर देता है, तो इसका नकारात्मक प्रभाव उसके अपने तेल निर्यात पर भी पड़ेगा, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। इसलिए वह इस मार्ग का उपयोग पूर्ण अवरोध के बजाय नियंत्रित दबाव के रूप में ही कर सकता है–जैसे जहाजों पर निगरानी, मार्ग शुल्क, या आंशिक व्यवधान। यह रणनीति उसे अधिक लाभ दे सकती है, क्योंकि इससे वह वैश्विक बाजार में अस्थिरता पैदा करते हुए भी पूरी तरह अलग-थलग नहीं पड़ेगा। दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखें तो यह स्पष्ट होता है कि दुनिया धीरे-धीरे एक बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, जहाँ केवल डॉलर ही नहीं, बल्कि युआन, यूरो और अन्य मुद्राएँ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। इस परिवर्तन में समय लगेगा और यह किसी एक देश या एक घटना के कारण नहीं होगा, बल्कि कई देशों के सामूहिक प्रयासों, आर्थिक सुधारों और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम होगा। ईरान की रणनीति इस व्यापक परिवर्तन का एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन वह अकेले इस प्रक्रिया को निर्णायक रूप से प्रभावित नहीं कर सकता।

आडम्बर से दूर, आदर्शवान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

निलय श्रीवास्तव

अपने कुशल नेतृत्व से विश्व को आकर्षित करने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदर्श, सिद्धांत उन लोगों के लिये प्रेरक संदेश हैं जो राजनीति को देश सेवा का माध्यम नहीं मानते। मोदी जी ने राजनीतिक मूल्यों, सिद्धांतों को जिस जीवटता के साथ अपनाया है उसके कायल सिर्फ भारत के ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों के लोग हैं। उन्हीं के पद्चिन्हों पर चलने वाले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जड़ और जमीन से गहरा नाता रहा है। दूरदर्शी सोच, निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता और सरल, सौम्य व्यक्तित्व के कारण वे अल्प समय में ही सबके चहेते और विश्वासपात्र बन गये हैं। उनकी कार्यप्रणाली सबसे जुदा और पारदर्शी है। प्रदेश के लोग मान बैठे हैं कि डॉ. मोहन यादव के हाथों में उनका भविष्य सुरक्षित है। राजनीतिक घटनाक्रम और प्रदेश के सामाजिक आर्थिक हालात पर पैनी नजर रखने वालों का स्पष्ट मानना है कि डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है, स्वर्णिम मध्यप्रदेश का सपना जो कभी प्रदेश के लोगों की आँखों में बसा था उसे साकार होते देखा जा रहा है। प्रसंगवश बता दें कि लगभग सवा दो साल पहले जिस दिन मोहन यादव मुख्यमंत्री बने थे, तब से लेकर अब तक उन्होंने लोकप्रियता हासिल करने का सस्ता उपक्रम नहीं किया बल्कि सबको विस्मय में डालने वाले कटु फैसले भी लिये। याद दिलाना होगा कि वे ऐसे मामले रहे थे जिन पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्रियों ने सिर्फ विचार विमर्श ही किया, फैसले लेने की हिम्मत कोई जुटा नहीं सका था। उन लोगों ने सिर्फ अपनी कुर्सी की चिंता की, जनता से किये वायदों से मुकर गये। उनके विपरीत डॉ. मोहन यादव एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो प्रदेश के सामान्य व्यक्ति की भी फिक्र करते हैं। आमजन के बीच उनका सामंजस्य निरंतर बना हुआ है। उनके आलोचकों को मुहँ की खानी पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आदर्श मानकर अपने प्रदेश के हित में सदा प्रयत्नशील रहने वाले डॉ. मोहन यादव की जन्मस्थली और कर्मस्थली वह उज्जैन नगरी है जहाँ महाकाल विराजते हैं। महाकाल का आर्शीवाद उन्हें प्राप्त है तभी तो काफी कम समय में ही उन्होंने सफलता की विभिन्न ऊचाँइयों को स्पर्श किया। 25 मार्च 1965 को उज्जैन के कृषक परिवार में जन्में मोहन यादव अपने अध्ययन के दिनों से ही संघ की गतिविधियों से प्रभावित थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ने का यह बड़ा कारण रहा था। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्हें वर्ष 2004 में सिंहस्थ आयोजन में बड़ी जिम्मेदारी मिली तो उनकी लोकप्रियता को गति मिली। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर कार्य करने के बाद उन्हें मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम का अध्यक्ष भी बनाया गया। यहाँ जिस जीवटता के साथ उन्होंने कार्य किया वह उल्लेखनीय बन गया। वर्ष 2013 में प्रथम बार विधायक तथा 2020 में उच्च शिक्षा मंत्री बनाये गये। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार हुए। अब वह समय आ गया था जब मोहन यादव की गिनती प्रदेश के दिग्गज नेताओं में होने लगी। समय गुजरता गया और उनकी सक्रियता बढ़ती गयी। वर्ष 2023 के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत के बाद डॉ. मोहन यादव को मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया।

प्रदेश में अपनी सक्रियता निरंतर बरकरार रखते हुए तथा सबके विश्वासपात्र बनकर आज वे एक सफल मुख्यमंत्री के रूप में हमारे बीच हैं। उनकी कर्त्व्य परायणता और परिश्रम के परिणाम मिलने शुरू हो गयें हैं। प्रदेश के लोगों से किये वायदे पूरे होते देखे गये हैं। उनके काम में पारदर्शिता और गंभीरता का ही सुफल है कि स्वर्णिम मध्यप्रदेश की अवधारणा पूरी हो रही है। महिला सम्मान के लिये किये गये उनके प्रयास अकसर सराहे जाते हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश के बजट में महिला सशक्तिकरण के लिये आवंटित धनराशि से इसका प्रमाण मिलता है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से मातृ शक्ति को संबल देने के साथ युवा प्रतिभा को धरातल पर उतारने के लिये शिक्षा और खेल कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के प्रयास भी किये गए हैं। प्रदेश सरकार ने अन्नदाताओं के लिये भी अपने खजाने खोल दिये हैं। माना जाता है कि किसान की समृद्धि से ही प्रदेश खुशहाल होता है। डॉ. मोहन यादव की गिनती मध्यप्रदेश के उन बिरले नेताओं में होती है जो लीक से हटकर काम करने के लिए जाने जाते हैं। दो साल से कुछ अधिक के कार्यकाल में वे अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों से आगे निकल गए हैं। सबसे खास बात यह है कि उन्हें नेताओं की तरह ढकोसला करना नहीं आता है, एकदम सहज और सरल उनकी व्यवहारिकता मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली तक लोगों को मोह लेती है। कहते हैं ना कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, कुछ वैसा ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ है। वे दिन-रात मेहनत करते हैं लेकिन स्वयं के साथ प्रदेश की सात करोड़ से अधिक जनता को भी आनंदित करते हैं। 60 वर्ष की उम्र ऐसी है जहां मनुष्य अपने जीवन की नयी पारी शुरू करता है और डॉ. यादव की नयी पारी में मध्यप्रदेश अभिभूत होगा क्योंकि उन पर महाकाल की कृपा है और वे सम्राट विक्रमादित्य के अनुयायी हैं।

शांति की चाह में परस्पर शत्रु देशों की आशा भरी निगाहें भारत की ओर

डॉ राघवेंद्र शर्मा

आज का भारत वैश्विक क्षितिज पर एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र की भाँति उभर रहा है, जिसकी चमक से दुनिया की महाशक्तियाँ भी चकित हैं। अमेरिकी सेना के रिटायर्ड कर्नल डगलस मैकग्रेगर का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह सुझाव देना कि युद्ध विराम और शांति स्थापना के लिए उन्हें भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संपर्क साधना चाहिए, केवल एक बयान मात्र नहीं है, बल्कि यह बदलते विश्व क्रम की उस हकीकत का प्रमाण है जहाँ भारत अब एक मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। यह स्वीकारोक्ति भारत की उस बढ़ती साख को रेखांकित करती है जिसने वैश्विक राजनीति के समीकरणों को पुनर्परिभाषित कर दिया है।

वर्तमान भारत जिस अवस्था में पहुँच चुका है, वह उसे वैश्विक शांति के लिए दुनिया भर के नेताओं के बीच आशा का एक सशक्त केंद्र बिंदु बनाती है। भारत की यह मान्यता और प्रतिष्ठा केवल हवा-हवाई दावों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस कूटनीतिक सफलताएँ और सामरिक कौशल की गाथाएँ छिपी हैं। दुनिया के सबसे संवेदनशील जल क्षेत्रों और बंदरगाहों, विशेषकर जलडमरू मध्य जैसे रणनीतिक मार्गों पर जहाँ आज भी युद्ध की विभीषिका के कारण बड़े-बड़े विकसित देशों के तेल वाहक जहाज और मालवाहक पोत बारूदों का शिकार हो रहे हैं या वहां से गुजरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, वहीं भारत के तिरंगे के साथ चलने वाले तेल वाहक विमान और पोत निर्बाध रूप से अपनी मंजिल तक पहुँच रहे हैं। यह दृश्य भारत की उस अदृश्य शक्ति और विश्वसनीयता को दर्शाता है जिसे दुनिया की कोई भी ताकत चुनौती देने का साहस नहीं कर पा रही है। यहाँ तक कि ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश भी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और उसके बढ़ते प्रभाव के आगे खुद को असहज और विरोध करने में असमर्थ पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के अपने पुरातन मंत्र को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया है। इसी का परिणाम है कि जहाँ एक ओर इजरायल जैसा शक्तिशाली और तकनीकी रूप से समृद्ध राष्ट्र भारत को अपना सबसे विश्वसनीय मित्र मानता है, वहीं दूसरी ओर अरब जगत और ईरान जैसे देशों के साथ भी भारत के संबंध मधुरता और सम्मान के नए पायदान चढ़ रहे हैं। जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध की ज्वाला भड़की और पूरी दुनिया दो धड़ों में बँट गई, तब केवल भारत ही वह शक्ति था जिसने दोनों पक्षों की आँखों में आँखें डालकर अपने हितों की बात की। हज़ारों भारतीय नागरिकों और छात्रों के युद्ध क्षेत्र में फंसे होने की खबर ने पूरे देश को चिंतित कर दिया था, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी का ही ओजस्वी व्यक्तित्व और भारत की साख थी कि दोनों युद्धरत देशों ने भारत के आग्रह पर अस्थायी रूप से युद्ध विराम किया ताकि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके। ऑपरेशन गंगा की सफलता ने दुनिया को दिखा दिया कि नए भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। ऐसा ही दृश्य ईरान में भी देखने को मिला जब अमेरिकी हमलों और अशांति के माहौल के बीच ईरानी सरकार ने भारतीयों की सुरक्षित निकासी में अभूतपूर्व सकारात्मक रुख दिखाया। यह सम्मान किसी डर से नहीं, बल्कि उस विश्वास से उपजा है जो भारत ने अपनी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नीतियों के जरिए वैश्विक मंच पर कमाया है।

श्री खेड़ापति माता मंदिर पर हुई महाआरती

बरेली (नि.प्र.)

नगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र की धार्मिक आस्था का केंद्र श्री खेरापति माता मंदिर पर हर वर्ष की भांति पंचमी तिथि पर माता जगतजननी मां खेड़ापति माता की संगीतमयी महाआरती के साथ भजन संध्या का आयोजन किया गया है, जिसमें रुद्राक्ष म्यूजिकल ग्रुप बरेली के संगीत संयोजन में माता रानी की महाआरती के साथ देवी गीत भजनों की प्रस्तुति दी गई। महाआरती में मुकुल कश्यप मातेश्वरी कम्प्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन दर्शन, निखिल चौरसिया के द्वारा एलईडी स्क्रीन पर माता जी कि महाआरती का ऑनलाइन प्रसारण किया गया। साउंड व्यवस्था राय टेंट हाउस के द्वारा की गई खेड़ापति माता मंदिर इन दिनों आधुनिक जगमग रोशनी से सराबोर श्रद्धालुओं को अपनी और आकर्षित कर रहा है, वही फूल माला डेकोरेशन के साथ साज सज्जा की गई थी । श्री खेड़ापति माता मंदिर बरेली के अध्यक्ष मनीष मदरवंशी के साथ बाल मुकुंद राय, मोहन साहू, यतीश चौबे, श्याम सिंह कोली, ओंकार धाकड़, नरेंद्र राय, राजकुमार साहू, सचिन राय, पप्पू राजपूत, अनिल सिलावट, सहित समस्त सदस्य व्यवस्था में लगे रहे। बरेली नगर के वरिष्ठजन नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेपाल सिंह राजपूत, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष दिनेश बवेले, महाकाल ग्रुप अध्यक्ष पूरन सिंह धाकड़, कैलाश राय, विजय राजोरे, हिंदू उत्सव समिति पूर्व अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, राधेश्याम पालीवाल ,अनिल धाकड़ सहित आरती में सम्मिलित हुए। मंदिर समिति अध्यक्ष मनीष मदरवंशी ने नगर के सभी धर्म प्रेमी बंधुओं और माताओं - बहनों का आभार व्यक्त किया।

दीवानगंज में बड़ा हादसा टला, ट्रक की टक्कर से ट्रांसफार्मर गिरा, बिजली सप्लाई हुई ठप

बरेली (नि.प्र.) जय गिरिराज गार्डन के पास सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे लगे बिजली ट्रांसफार्मर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रांसफार्मर नीचे गिर गया और इलाके की बिजली सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक मुंबई से मंडीदीप की ओर जा रहा था। ट्रक चालक रास्ता भटक जाने के कारण दीवानगंज के पास वाहन मोड़ने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रांसफार्मर से जा टकराया।

मंगलवार का बरेली मंडी भाव

बरेली (नि.प्र.) गेहूं-2100-2362, चना-4001-5413, तिबडा-3250-3291, तुअर -7080-7740, सरसों -6005-6080, बटरी-1900-3000, मसूर-निल, मूंग-निल, धान(पूसा)-3000-4300, धान (1886) -निल।

कांग्रेस नेता को समर्थकों और शुभचिंतकों ने दी जन्मदिवस की बधाइयां

जनता के मुद्दों के लिए प्रशासन-प्रशासन से लड़ाई लड़ने को तैयार रहते हैं राजीव

बरेली (नि.प्र.)

प्रदेश के सभी बड़े नेताओं से सीधा संबंध रखते हैं पालीवाल

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव पालीवाल जो कि कांग्रेस पार्टी के वफादार सिपाही के साथ पार्टी के बड़े नेता हैं। उनका संपूर्ण रायसेन जिले में वर्चस्व है। हमेशा आम जन की बात वह शासन-प्रशासन के समक्ष रखते हैं। साथ ही जनता के मुद्दों के लिए प्रशासन-प्रशासन से लड़ाई लड़ने के लिए भी तैयार रहते हैं। राजीव पालीवाल पूर्व में शासकीय महाविद्यालय में अध्यक्ष एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में भी पदाधिकारी रह चुके हैं। साथ ही कांग्रेस पार्टी के कई संगठन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं। राजीव पालीवाल कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता के साथ सुलझे हुए व्यक्ति और सरल सहज उनका व्यक्तित्व उन्हे जनता से सीधा जोड़ता है, सभी से मिलना सभी की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनकर उनका समाधान करना पार्टी कार्यकर्ता के साथ जनता के मुद्दे पर वह पूरी ताकत के साथ हमेशा खड़े रहते हैं। मंगलवार को राजीव पालीवाल का जन्मदिन था उनके जन्मदिन पर उनके शुभचिंतकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके चाहने वालों ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी हैं। जिसमें पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह पटेल, पूर्व विधायक भगवान सिंह राजपूत, पूर्व मंडी अध्यक्ष कन्हैया लाल तिवारी सुधीर दुबे राजेंद्र सिंह रघुवंशी पेट्रोल पंप, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष गिरीश पालीवाल वरिष्ठ नेता सरदार सिंह पटेल पलका श्री पूर्व मंडी अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल भिलाड़िया रास बिहारी रघुवंशी, जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत धारीवाल, ब्रजमोहन राय, वरिष्ठ समाजसेवी व्हीपी गुप्ता, कविंद्र सिंह रघुवंशी, भूपेंद्र सिंह चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष कौशलेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ नेता तारिक अली वरिष्ठ समाजसेवी संतोष रिछारिया पार्षद अफजल अली युद्धवीर सिंह पटेल पूर्व व्यापारी संघ अध्यक्ष बृजमोहन राय, पूर्व व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा, विशाल सिंह ठाकुर एड, प्रशांत द्विवेदी, हिउस. पूर्व अध्यक्ष भीकम राय, पूर्व अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पूर्व नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चंद्र कुमार जैन, पूर्व पार्षद अमित राय, विजय राजौरे वीरेंद्र सिंह राजपूत होशियार सिंह ठाकुर सबल सिंह पटेल, निलेश शर्मा, फहीम कुरैशी, इदरीश हयात, खालिद ठेकेदार, मोहम्मद ओवैस खान, रमेश सराठे नर्मदा साहू कमल किशोर शर्मा प्रताप सिंह पटेल सरपंच भिलाड़िया, मुकेश भंडारी, रोहित वीरेंद्र सिंह रघुवंशी, प्रदीप पाठक, बृजेश श्रीवास्तव, रज्जन श्रीवास्तव, मुकेश भंडारी, प्रेमनारायण मुकद्दम, ओमप्रकाश भावसार, सुबोध दीवान, राजेश राय, बबलू राजपूत, मोनू शर्मा, गोविंद डागर चैन सिंह धाकड़ प्रताप सिंह धाकड़, राघवेंद्र सिंह ठाकुर, रमेश चौहान, भूपत सिंह ठाकुर, मनीष राजपूत, शिवकुमार पटेल, शैलेंद्र सराठे के साथ ही बरेली नगर के प्रबुद्ध जनों ने बधाई देते हुए उनकी दीर्घायु लंबी उम्र होने की ईश्वर से कामना की है।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर हुआ विद्यारंभ समारोह

बरेली (नि.प्र.)

मध्यप्रदेश के महिला एवं बालविकास द्वारा प्रदेश भर की आंगनवाडी केन्द्रों पर 24 मार्च को विद्या आरंभ समारोह आयोजित किये गये केन्द्रों पर 5 से 6 वर्ष के बच्चों को औपचारिक स्कूल कक्षा 1 में प्रवेश के लिए तैयार करने हेतु यह समारोह आयोजित किये गये, इसके तहत बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा से औपचारिक प्रणाली में सुगम संक्रमण के लिए विद्या आरंभ प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रारंभिक शिक्षा के सशक्तिकरण और स्कूल छोडने की दर को कम करने के उद्देश्य से आयोजित किये जा रहे हैं।

विद्या आरंभ कार्यक्रम की मुख्य बात: पांच से छः वर्ष के बच्चों के लिए पूर्व विद्यालय शिक्षा अर्थात प्री स्कूल को मजबूत करना और उन्हे कक्षा एक के लिए तैयार करना।

प्रमाणपत्र- पूर्व विद्यालय शिक्षा पूरी करने पर बच्चों को विद्या आरंभ प्रमाण पत्र देना।

यह पहल बच्चों के स्कूल से जुड़ाव को मजबूत करती है और भविष्य में ड्राप आउट दर को कम करने में मदद करती है। यह पहल बच्चों को समग्र विकास ओर पुनर्शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, नगर के वार्ड क्रमांक दस की आंगनवाडी में मंगलवार 24 मार्च को विद्या आरंभ समारोह विधिवत संपन्न हुआ। आने वाले प्रत्येक बच्चें का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षाकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत बच्चों को विद्या आरंभ प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। इस दौरान वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद अलका चांडक एवं आंगनवाडी शौर्यदल के सदस्य विजय प्रकाश तिवारी आंगनवाडी कार्यकर्ता कृष्णा ठाकुर, सहायिका लता धाकड़ आदि मौजूद रहे।

राम नवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा सकल हिन्दू समाज कर रहा तैयारी

बरेली (नि.प्र.)

भगवान श्री राम जन्मोत्सव राम नवमी के पावन अवसर पर 27 मार्च को बरेली नगर में रघुवंशी समाज के बैनर तले सकल हिन्दू समाज द्वारा भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राम नवमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा, जिसके लिए तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस संबंध रविंद्र रघुवंशी ने बताया कि रघुवंशी समाज हिन्दू उत्सव समिति सहित सकल हिन्दू समाज इस आयोजन को उत्साह से मनाता आ रहा है इस वर्ष भी आयोजन को लेकर हिन्दू समाज के युवा घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र वितरित कर रहे हैं। इस दौरान वे हिंदू सकल सनातन समाज के लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं आयोजन हिंदू समाज की आस्था और एकता का प्रतीक है।

राम नवमी के अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो श्री राम दरबार रामलीला मैदान से शाम 4 बजे प्रारंभ होगी जो नगर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई टॉकीज चौराहा , शक्ति धाम, होली चौक, बस स्टैंड , दिग्विजय परिसर होते हुए पुनः रामलीला मैदान श्री राम दरवार पहुंचेगी, शोभायात्रा में भगवान श्री राम की मूर्ति के साथ श्रीराम दरबार की झांकी, धार्मिक ध्वज, धोड़े , बैंड बाजें डीजे और भजन-कीर्तन के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

नवरात्र पर थाना परिसर में कन्या भोज का आयोजन, पुलिस ने कन्याओं का किया पूजन

बरेली (नि.प्र.)

चैत्र नवरात्र के पावन पर्व के अवसर पर सिलवानी थाना परिसर में भक्ति, श्रद्धा और सेवा का प्रेरणादायक संगम देखने को मिला। पुलिस प्रशासन द्वारा यहां कन्या भोज का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें छोटी-छोटी कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानते हुए विधि-विधान के साथ पूजन किया गया और उन्हें पूरे सम्मान के साथ भोजन कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंत्रोच्चार, दुर्गा पूजा और आरती के साथ हुई, जिससे पूरा थाना परिसर भक्तिमय माहौल में रंग गया।

थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस स्टाफ ने अत्यंत श्रद्धा भाव से कन्याओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों ने नारी शक्ति के महत्व को स्वीकार करते हुए समाज में महिला सम्मान और समानता का संदेश दिया। कन्याओं को विविध प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए, जिनमें पारंपरिक भोजन विशेष रूप से शामिल रहा। भोजन के उपरांत उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी और संतोष झलकता दिखाई दिया। आयोजन के दौरान अनुशासन और व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। उन्होंने पुलिस प्रशासन की इस पहल की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाते हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित यह कन्या भोज न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में सेवा, सम्मान, सहयोग और सौहार्द की भावना को भी सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

जैव विविधता प्रबंधन समितियों का पुनर्गठन कार्यक्रम संपन्न

बरेली (नि.प्र.)

मंगलवार को जनपद पंचायत बाड़ी में जैव विविधता प्रबंधन समितियों का सक्रियकरण एवं गठन/ पुनर्गठन कार्यक्रम का प्रशिक्षण मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, भोपाल कैसा योग से संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव ग्राम रोजगार सहायकों सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सोलंकी सहायक सदस्य सचिव एवं श्री विवेक कुमार पाण्डेय तकनीकी विशेषज्ञ मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बाड़ी दानिश अहमद खान, नर्मदा प्रसाद पटेल खंड पंचायत अधिकारी, अभिषेक पटेल प्रबंधक आरजीएसबाई उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सियानंद सिंह लोधी द्वारा किया गया।

वन विभाग ने आमजन के लिए की ठंडे पानी की व्यवस्था, प्याऊ शुरू

बरेली (नि.प्र.) भीषण गर्मी को देखते हुए वन विभाग ने राहगीरों की सुविधा के लिए ठंडे पानी की प्याऊ शुरू की गई । डीएफओ प्रतिभा शुक्ला के निर्देश पर रेंजर शिरोमणि मीणा के मार्गदर्शन में वन परिसर के सामने यह व्यवस्था शुरू की गई। प्याऊ से राहगीरों, स्थानीय लोगों, वन परिसर में आने-जाने वालों को शीतल पेयजल मिलेगा। तापमान लगातार बढ़ रहा है। यह सुविधा लोगों को राहत देगी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गर्मी में स्वच्छ, ठंडा पानी उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। प्याऊ की नियमित देखरेख होगी। साफ-सफाई पर भी ध्यान रहेगा। लोगों को साफ पेयजल मिल सकेगा।

आयोजन कन्या भोज के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न, आरती उतारकर लिया कन्याओं का आशीर्वाद

शिवानंद स्कूल में संस्कार भारती का कन्या पूजन

बरेली (नि.प्र.)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुशांगिक संगठन सेवा भारती द्वारा स्थानीय शिवानंद स्कूल में 150 कन्याओं का कन्या पूजन, कन्या भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर देवरी नगर परिषद अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि भारतीय संस्कृति के संरक्षण हेतु अगले वर्ष इससे भी भव्य और विशाल कार्यक्रम पूरे देवरी नगर में आयोजित किया जाएगा।

विधि-विधान से हुआ पूजन : कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात संस्कार भारती के कार्यकर्ताओं और अतिथियों ने श्रद्धापूर्वक नन्ही कन्याओं के पैर पखारे, उन्हें तिलक लगाया और आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। पूजन के उपरांत कन्याओं को भोजन कराया गया और उपहार भेंट किए गए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

शिवानंद स्कूल में बच्चों द्वारा इस अवसर पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। देशभक्ति गीतों, देवी स्तुति और लोक नृत्यों के माध्यम से बच्चों ने भारतीय परंपराओं की सुंदर छटा बिखेरी, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने प्रशंसा की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर परिषद अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा भारती का यह प्रयास नई पीढ़ी में नैतिक मूल्यों के बीजारोपण के लिए सराहनीय है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित नागरिकों और पदाधिकारियों में भारी उत्साह देखा गया। सभी ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि इस परंपरा को और विस्तार दिया जाएगा और अगले वर्ष देवरी में ऐतिहासिक स्तर पर कन्या पूजन का आयोजन होगा। इस दौरान सेवा भारती के स्थानीय पदाधिकारी, संघ के स्वयंसेवक, विद्यालय प्रबंधन, एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

फूल-मालाओं से किया स्वागत मिठाई खिला मनाया जन्मदिन

बरेली (नि.प्र.) नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रघुवंशी ,पूर्व मण्डल अध्यक्ष अरविंद दुबे एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधी पोहप मेहरा का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया। नगर परिषद अध्यक्ष के समर्थकों ने उन्हे केक खिलाकर दी बधाईयां उनका जन्मदिन, पार्षदों और क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही उनके निवास और कार्यालय पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ताओं और मित्रों ने फूल-मालाओं और मिठाई के साथ अध्यक्ष का स्वागत किया। क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने उन्हें उज्वल भविष्य और दीर्घायु की शुभकामनाएं दीं। समर्थकों द्वारा विभिन्न सेवा प्रकल्पों का आयोजन किया। बधाई स्वीकार करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रघुवंशी ने कहा कि जनता का यह प्यार ही उन्हें नगर के विकास के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आने वाले समय में देवरी को स्वच्छ और विकसित नगर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कबाड़ से बनाएं खूबसूरत गार्डन

जानें लो-बजट गार्डनिंग के सीक्रेट

अगर आप अपने घर की बालकनी या किसी छोटी सी जगह को, सीमित बजट में एक खूबसूरत बगीचे में बदलना चाहते हैं, तो बेकार पड़ी चीजों से गमले बनाकर, रंग-बिरंगे कपड़ों से सजाकर, लटकने वाले गमले और सस्ती लाइटें लगाकर बिना पैसे खर्च किए अपने घर को फूलों की खुशबू और हरी-भरी हरियाली से भर सकते हैं।

आजकल शहरी इलाकों में लोगों के पास रहने की जगह की अक्सर कमी होती है, नतीजतन, बहुत कम लोग ही अपने घरों में बालकनी गार्डन बना पाते हैं। अगर किसी के पास जगह होती भी है चाहे घर के अंदर हो या बालकनी में और वे गार्डन बनाने के बारे में सोचते भी हैं, तो अक्सर बजट की चिंता के कारण पीछे हट जाते हैं। हालांकि, यह एक गलत सोच है कि बालकनी गार्डन बनाने के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इसके लिए बस थोड़ी सी क्रिएटिविटी और सही प्लानिंग की जरूरत होती है। थोड़ी सी सूझ-बूझ का इस्तेमाल करके, आप अपने घर की बालकनी को एक शानदार और सुंदर जगह में बदल सकते हैं। एक सुंदर बालकनी न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि उसके पूरे माहौल को भी बेहतर बनाती है। आइए हम आपको दिखाते हैं कि कम बजट में एक शानदार बालकनी गार्डन कैसे बनाया जाए।

कम बजट में अपने बालकनी गार्डन को सुंदर बनाने के लिए, आप 5 आसान टिप्स अपना सकते हैं- फेंकी हुई चीजों से गमले बनाएं, रंग-बिरंगे कपड़ों से सजावट करें, किचन गार्डन बनाएं, अपने पौधों के लिए सही जगह और धूप सुनिश्चित करें, और पुराने फर्नीचर को एक नया रूप दें। ये कदम आपके घर के गार्डन को एक ताजा और मनमोहक रूप देंगे।

कबाड़ से कुछ नया बनाना

आप अपने बालकनी गार्डन को बनाने के लिए फेंकी हुई चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्लास्टिक की बोतलों, पुराने टायरों, टिन के डिब्बों, टूटे हुए बर्तनों या लकड़ी के बक्सों को पेंट करके या सजाकर सुंदर गमलों में बदल दें। इससे पैसे भी बचते हैं और आपके गार्डन को एक अनोखी सुंदरता मिलती है।

हैंगिंग गमले का इस्तेमाल करें

अपने बालकनी गार्डन में छोटे पौधों के लिए, प्लास्टिक की बोतलों या नारियल के छिलकों को दोबारा इस्तेमाल करके लटकते गमले बनाएं। यह न केवल एक किफायती उपाय है, बल्कि इससे आपके गार्डन को एक अनोखा रूप भी मिलेगा। इस तरह, आपको ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे, और आपका गार्डन भी सुंदर दिखेगा।

कम लागत वाली लाइटिंग

अपने बगीचे को रोशन करने के लिए, महंगे फिक्स्चर के बजाय फेयरी लाइट्स या सोलर लाइट्स का इस्तेमाल करें। ये बहुत कम बिजली खर्च करती हैं और रात में बालकनी पर सचमुच एक जादुई माहौल बना देती हैं।

पुराने फर्नीचर का दोबारा इस्तेमाल

नया फर्नीचर खरीदने के बजाय, अपनी पुरानी कुर्सियों और मेजों पर पॉलिश करें या उन पर पेंट का एक नया कोट लगाएं। इससे न केवल आपके पैसे बचेंगे, बल्कि आपके बगीचे को एक देहाती और आरामदायक लुक भी मिलेगा।

टूटे कप, बोतल और डिब्बे

फेंकना बंद करें! बनाएं स्टाइलिश प्लांटर

घर में कई ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हम बेकार समझकर फेंक देते हैं-जैसे टूटे मग, प्लास्टिक बोतल, पुराने डिब्बे या फिर नारियल की खोल। लेकिन थोड़ी क्रिएटिविटी से इन्हीं चीजों को डीआईवाई प्लांटर्स में बदलकर शानदार होम गार्डन किया जा सकता है। इससे न केवल किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल होता है बल्कि पौधों की ग्रोथ भी अच्छी होती है। छोटे-छोटे कंटेनर पौधों की जड़ों को सुरक्षित रखते हैं और बालकनी या खिड़की को ग्रीन लुक देते हैं। आइए जानते हैं 5 ऐसी बेकार चीजें जिनसे आप आसानी से प्लांटर बना सकते हैं और उनमें कौन-से पौधे सबसे अच्छे उगते हैं।

टूटे कॉफी मग से मिनी प्लांटर

टूटे या पुराने कॉफी मग छोटे पौधों के लिए बेहतरीन प्लांटर बन सकते हैं। बस नीचे छोटा ड्रेनेज होल बना दें और मिट्टी भरकर पौधा लगा दें। टूटे-फूटे कॉफी मग में आप सुक्यूलेंट, कैक्टस, स्नेक प्लांट या मनी प्लांट की छोटी कटिंग रोप सकते हैं।

प्लास्टिक बोतल से हैंगिंग प्लांटर

खाली प्लास्टिक बोतल को बीच से काटकर उसमें मिट्टी भरें और रस्सी की मदद से लटका दें। यह बालकनी या दीवार पर शानदार हैंगिंग गार्डन बनाता है। मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, पुदीना और पोथोस समेत दूसरे हैंगिंग मिनी प्लांट लगा सकते हैं।।

पुराने टिन के डिब्बों से किचन गार्डन

बिस्किट या फूड के टिन डिब्बे को साफ करके उसमें मिट्टी भरें और किचन हर्ब्स उगाएं। यह छोटा किचन गार्डन बनाने का आसान तरीका है। टिन के डिब्बे के तले में छेद करने के बाद तुलसी, धनिया, पुदीना, पार्सले के प्लांट्स आसानी से ग्रो करते हैं।

नारियल के छिलके से नेचुरल प्लांटर

नारियल का आधा छिलका मिट्टी भरने के लिए एकदम सही प्राकृतिक कंटेनर होता है। इसे रस्सी से लटकाकर सजावटी प्लांटर भी बनाया जा सकता है। नारियल के छिलके का स्पेस कम होता है, इसलिए इसमें मिनी प्लांट जैसे पोर्टुलाका, सुक्यूलेंट और छोटे फूल वाले पौधे लगा सकते हैं।

पुराना लकड़ी का बॉक्स या क्रेट

पुराने फ्रूट बॉक्स या लकड़ी के क्रेट को पेंट करके बड़ा प्लांटर बनाया जा सकता है। इसमें कई पौधे एक साथ लगाए जा सकते हैं। पुराना लकड़ी का बॉक्स या क्रेट में लेट्यूस, पालक, टमाटर, गेंदा या छोटे सब्जी पौधे आसानी से बढ़ते हैं।

टांग दें गुड़हल के पौधे में ये सफेद सस्ती चीज, बिना मुरझाए तेजी से बढ़ेगा पौधा

क्या गुड़हल के गमले में कपूर रखने से कीड़े नहीं लगते? जानें पौधों के पास कपूर रखने के फायदे, यह कैसे कीड़े-मकोड़ों को दूर रखने में मदद करता है और गुड़हल के पौधे की देखभाल के आसान गार्डनिंग टिप्स।

गर्मियों के मौसम में गुड़हल से खूब फूल मिलते हैं। अगर आप भी पूरी गर्मी इस पौधे को खिला रखना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर खासा ध्यान देना होगा। अक्सर देखभाल न होने पर गुड़हल के फूल खिलना बंद हो जाते हैं या पत्तियां कटी फटी दिखने लगती हैं। ऐसा कीट, चीटियों या फंगस के कारण हो सकता है। आप केवल कपूर के छोटे टुकड़े को कपड़े में बांधकर गमले में एक डंडी की मदद से टांग दें। ऐसा करने से गुड़हल का पौधा सुरक्षित हो जाएगा। जानिए पौधे में कपूर टांगने से क्या फायदे होते हैं।

कीड़े-मकोड़ों को दूर रखने में मदद

कपूर की तेज सुगंध एफिड्स, मच्छर और कुछ छोटे कीड़ों को गुड़हल के पौधे से दूर रखने में मदद कर सकती है। इससे गुड़हल की पत्तियों और कलियों पर कीड़े लगने का खतरा कम हो जाएगा।

फंगस और बदबू होती है कम

कपूर में हल्के एंटीफंगल गुण होते हैं। गमले के आसपास कपूर रखने से नमी से बनने वाली बदबू और कुछ फंगल समस्या भी कम हो जाती है। ध्यान रखें कि कभी भी कपूर को बिना कपड़े के पौधे में न टांगे। साथ ही पत्तियों से भी न टच कराएं।

चींटियों से बचाव

गर्मियों में चीटिंया बहुत आती हैं। अगर गमले में चींटियां बार-बार आ रही हैं, तो कपूर की खुशबू से दूर भाग जाएंगी। चीटिंया गुड़हल की पत्तियां खा जाती हैं, जिससे पौधे को नुकसान पहुंचता है।

मच्छरों को दूर रखने में मददगार

कपूर की गंध मच्छरों को पसंद नहीं होती हैं इसलिए बालकनी से मच्छरों को भगाने के लिए भी गुड़हल के पौधे में कपूर टांग सकते हैं। गार्डन में पौधों के पास कपूर रखने से वातावरण भी महक उठेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

1-2 कपूर की टिकिया को छोटे कपड़े में बांधकर गमले के किनारे टांग दें।

हर 7-10 दिन में कपूर बदल देना बेहतर रहता है। कपड़े के कारण कपूर उड़ जाता है, तो दोबारा कपूर लगाना न भूलें।

कपूर को पीसकर मिट्टी में मिलाने से बचें वरना पौधे पर बुरा असर हो सकता है।

गर्मी में लगाएं फ्लावर प्लांट खुशबू से महकेगा पूरा घर

हर रोज हम भगवान को खरीद कर फूल चढ़ाते हैं। लेकिन अगर हम बालकनी में इन्हें लगाएं , तो मंदिर में सीधे उसकी खुशबू पहुंचेगी। हम फ्रेश फूल ईश्वर को अर्पित कर सकते हैं। चलिए बताते हैं, 6 फूलों के बारे में गमले में लगा सकते हैं।

फूल ना सिर्फ बालकनी या गार्डन की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि पूजा के काम भी आते हैं। कई फूलों में तो औषधिय गुण होते हैं, जिसे शरीर को फायदा भी मिलता है। गुड़हल, गुलाब, मालती, अपराजित समेत कई फूल हैं, जिसे गमले में आसानी से लगा सकते हैं।

गुड़हल

गुड़हल को हम गमले में लगाकर पूरे साल फूल पा सकते हैं। इस फूल से देवी दुर्गा, काली की पूजा की जाती है। इसमें कई तरह के औषधिय गुण भी होते हैं, जो आपके बालों से लेकर चेहरे तक का ख्याल रख सकता है। गुड़हल को तेज धूप वाली जगह पर लगाएं। सर्दी, गर्मी, बरसात तीनों मौसम में यह खिलता है। लाल-गुलाबी, सफेद कई रंग में इसके फूल आते हैं।

चमेली

चमेली का प्लांट अगर आप बालकनी में लगाते हैं, तो उसकी खुशबू पूरे घर में फैल जाती है। व्हाइट रंग के इस फूल को आप हैंगिग भी लगा सकते हैं। गर्मी में यह खिलने वाला पौधा है।

गुलाब

गुलाब किसी नहीं पसंद, इसे फूलों का राजा कहा जाता है। गुलाब में कई वैराइटी आती है, लेकिन रेड रोज सबसे ज्यादा घरों में पाया जाता है। देवी सरस्वती को गुलाब के फूल बहुत पसंद है। गुलाब भी सालों खिलता है। इस प्लांट को भी तेज रोशनी की जरूरत होती है। 15 दिन में इसमें खाद डालते रहें। गर्मी में इसमें सुबह और शाम पानी जरूर दें।

अपराजिता

अपराजित में नीले रंग का फूल निकलता है। अपराजिता लता होती है, इसलिए इसे रस्सी के सहारे ऊपर ले जा सकते हैं। गमले में इस आसानी से उगा सकते हैं। भगवान विष्णु को अपराजिता के फूल बहुत पसंद हैं। इसके फूल में औषधिय गुण भी होते हैं। आप चाय बनाकर पी सकते हैं। यह इम्युन सिस्टम को बूस्ट करता है।

ब्रह्मकमल

ब्रह्मकमल नीले, बैगनी, सफेद या मैजेंटा रंग में खिलता है। भगवान श्रीकृष्ण के नीले रंग जैसे दिखने की वजह से इसे कृष्णकमल कहा जाता है। अनोखे लुक की वजह से तितलियों को यह फूल बहुत ही आकर्षित करता है। कृष्णकमल बेल के फूल में नीचे पंखुड़ियां, उसके ऊपर महीने रेशे होते हैं। इसके साथ 2-3 शेड के घेरे होते हैं।

मधुमालती

खुशबूदार फूलों वाली बेल मधुमालती के गुच्छों में लगे सुंदर फूल देखने में लाल, गुलाबी, सफेद रंगों के होते हैं। मधुमालती बेल के आस-पास इसके फूलों की मोहक खुशबू छाई रहती है जो कि सुबह-शाम बड़ी अच्छी लगती है। इस लता के पत्ते हरे रंग के होते हैं।

गमला हुआ पुराना, पुरानी केतली से बनाएं स्टाइलिश मिनी गार्डन

छोटी जगह पर बड़े-बड़े गमले रखना स्टोरेज खत्म करने के साथ काफी आउटडेटेड लगता है। अगर आप भी बालकनी को खूबसूरत और यूनिक दिखाना चाहते हैं तो बेसिक आइडियाज की बजाय कुछ क्रिएविट करने की जरूरत है। हर घर में चाय वाली केतली जरूर होती है, जो कपबोर्ड या किचन में बिना इस्तेमाल रखे रहती है। यदि कहा जाए, इन्हीं केतली की मदद से आप लटकते हुए पौधे लगाकर होम डेकोर को ट्रेंडी और नेचुरल बना सकते हैं। खास बात है कि इनकी देखभाल करना काफी ज्यादा आसान है, तो चलिए जानते हैं आशियाने में स्मार्टनेस और यूनिकनेस जोड़ने के लिए केतली से मिनी गार्डन कैसे तैयार करें।

केतली में गार्डिंग कैसे करें ?

पुरानी, मेटल, सिरेमिक या स्टील की केतली लें केतली के नीचे 2-4 छोटे छेद कर ड्रेनेज की व्यवस्था करें

मिट्टी से छोटे पत्थर, कंकड़ या टूटे टाइल्स डालें नॉर्मल सॉयल की बजाय 1.1.1 की अनुपात में गार्डन मिट्टी, कंपोस्ट और कोकोपीट लें

बस आपका बेस तैयार है, इसमें पौधों को उगाया जा सकता है

केतली में कौन से पौधे उगाएं जा सकते हैं ?

तुलसी

केतली में तुलसी उगाना सबसे बढ़िया है। यह हल्की धूप और कम पानी में अच्छे से बढ़ता है।

पुदीना

केतली में पुदीना उगाया जा सकता है, इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत भी नहीं होती है।

मनी प्लांट

यह पौधा केतली में आसानी से उग जाएगा, इसे आप पानी और मिट्टी दोनों में लगा सकते हैं। मनी प्लांट की बेल और केतली का कॉम्बिनेशन काफी प्यारा लगता है।

स्पाइडर प्लांट

घर की हवा शुद्ध करने के लिए इनडोर या आउटडोर आप स्पाइडर प्लांट लगा सकते हैं। हालांकि इसके लिए नॉर्मल नहीं बल्कि हैंगिंग केतली का यूज करें।

सक्युलेंट्स

केतली का साइज छोटा है तो सेक्युलेंट्स से बढ़िया कुछ नहीं है। ये कम पानी में बहुत आसानी से उग जाते हैं और डेकोरेटिव लुक देते हैं।

केतली गार्डन डेकोरेशन आइडिया

अगर आप पेड़-पौधों को डेकोरेटिव दिखाना चाहते हैं तो हैंगिंग केतली प्लांटर का इस्तेमाल करें। आप रंग-बिरंगी केटल्स को रस्सी या चेन से

टांग सकते हैं। अगर आप टेबल या थ-सेल्फ पर केतली गार्डनिंग कर रहे हैं तो केतली को थोड़ा झुका दें, और साथ में छोटा सा पौधा लगाएं। ये पोरिंग टी गार्डन जैसा लुक देगा।

बाजार में छोटी-छोटी केतली सेट मिल जाएंगे, जिसे आप किचन शेल्फ गार्डन में तब्दील कर सकते हैं। इसमें हर्ब्स लगाना ज्यादा बेहतर है। यदि आपके पास पुराने जमाने की केतली है, तो इसे रंग-बिरंगे कलर से पेंट करके पौधे लगाएं। जो यूनिक और डेकोर दोनों का काम करेगी।

बालकनी में ज्यादा जगह नहीं है तो आप लकड़ी के बोर्ड पर केतलियां लगाकर वर्टिकल गार्डन बना सकते हैं।

सबालेंका और गॉफ क्वार्टर फाइनल में

फ्लोरिडा (अमेरिका) (वार्ता)

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने चीन की झेंग किनवेन के खिलाफ मियामी ओपन मैच में आसानी से जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मौजूदा चैंपियन को अपनी चीनी विरोधी को 6-3, 6-4 से हराने में सिर्फ एक घंटा 25 मिनट लगे। 27 साल की सबालेंका ने पिछले दो सालों में हर बार यूएस ओपन जीता है और वह शानदार फॉर्म में दिख रही हैं। बीबीसी स्पोर्ट के मुताबिक, आखिरी आठ में उनका सामना हैली बैप्टिस्ट से होगा, जिन्होंने लातविया की जेलेना ओस्टापेंको को भी 6-3, 6-4 के अंतर से हराया।

चौथी सीड कोको गॉफ भी रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया पर 6-3, 4-6, 6-2 से कड़े मुकाबले में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 22 साल की अमेरिकन खिलाड़ी ने छह डबल फॉल्ट किए और खराब प्रदर्शन के बावजूद पांच बार ब्रेक किया, लेकिन उसके पास जीतने और अमांडा अनिसिमोवा या बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ मैच सेट करने के लिए काफी था। मियामी टूर्नामेंट गॉफ का होम इवेंट है और वह टाइटल जीतने के लिए बेताब है, लेकिन इस साल ऐसा करने के लिए वह खुद पर स्ट्रेस नहीं लेगी। वह इस महीने की शुरुआत में इंडियन वेल्स में रिटायरमेंट के बाद इस इवेंट में आई थी, जब उसके बाएं हाथ में नर्व प्रॉब्लम की वजह से उसे तीसरे राउंड का मैच छोड़ना पड़ा था।

उसने कहा, मुझे सच में प्रेशर महसूस नहीं हो रहा है, मुझे इस इवेंट में ज्यादा सपोर्ट महसूस हो रहा है। मैं यह टूर्नामेंट जीतना चाहती हूं क्योंकि यह मेरा होम टूर्नामेंट है। लेकिन मेरी तैयारी सबसे अच्छी नहीं थी, इसलिए उम्मीदें कम रखने से मैं फ्री हो जाती हूं और खुद से ज्यादा उम्मीद नहीं करती।

मेदवेदेव उलटफेर का शिकार होकर बाहर

मियामी ओपन के पुरुषों के ड्रॉ में, दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव - जिन्होंने इंडियन वेल्स में कार्लोस अल्काराज को हराया था - को फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने आखिरी-32 स्टेज में नॉक आउट कर दिया। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने मैच में 6-0, 4-6, 7-5 से जीत हासिल की, जिसके दौरान अंपायर मोहम्मद लाहयानी की ऊंची कुर्सी थोड़ी देर के लिए स्पाइडर कैम में उलझ गई, यह एक एरियल कैमरा है जो मैचों के दौरान कोर्ट के ऊपर घूमता है। जब बॉल बॉयज़ कुर्सी को गिरने से बचाने की कोशिश कर रहे थे, तो लाहयानी अपनी कुर्सी से नीचे उतर गए। इस अजीब ड्रामे के बाद, सेरुंडोलो ने अपनी जीत के बारे में कहा- मुझे नहीं पता था कि क्या उम्मीद करनी है, यह एक शानदार मैच था, बहुत मुश्किल। यह दानिल के खिलाफ मेरा पहला मैच था। वह शायद टूर पर उन कुछ लोगों में से एक है जिनके साथ मैंने कभी नहीं खेला। उनका अब तक का साल बहुत अच्छा रहा है।

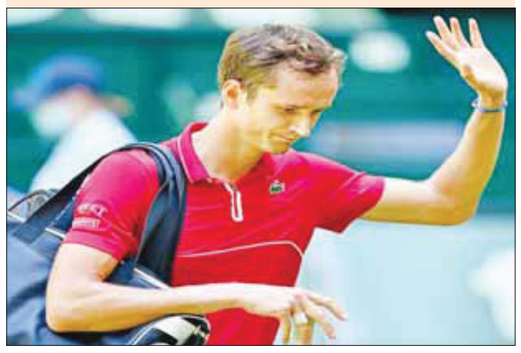

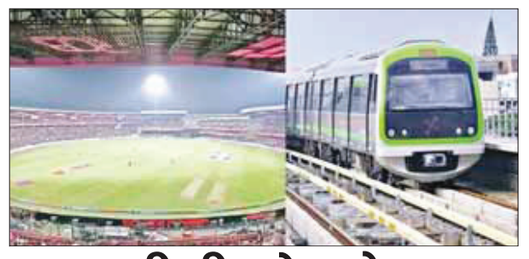

आरसीबी ने नो कार नियम लागू किया

फैंस के लिए फ्री मेट्रो की पेशकश

बेंगलुरु (वार्ता)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को फैंस के आने-जाने और मैच के दिन के लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव किए, जिसमें टिकट होल्डर्स के लिए फ्री मेट्रो यात्रा और पिछले साल की भगदड़ की घटना को देखते हुए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास सख्त नो-व्हीकल ज़ोन शुरू किया गया। मीडिया से बात करते हुए, आरसीबी के सीईओ राजेश मेनन ने कहा कि इन उपायों का मकसद भीड़भाड़ को रोकना और स्टेडियम तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना है। मेनन ने कहा, हर टिकट होल्डर को फ्री मेट्रो राइड मिलेगी। हम फैंस को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने के लिए ज़ोर देकर कहते हैं क्योंकि स्टेडियम के आसपास काफी कनेक्टिविटी है। एक बड़े बदलाव में, मैच के दिनों में स्टेडियम के पास कहीं भी प्राइवेट गाड़ियों को आने की इजाजत नहीं होगी।उन्होंने कहा, पुलिस किसी भी समय स्टेडियम के पास ड्रॉप-ऑफ के लिए कारों की इजाज़त नहीं देगी। फैंस को तय जगहों पर पार्क करना होगा और या तो पैदल चलना होगा या शटल सर्विस लेनी होगी। यह नया सिस्टम पिछले साल हुई दुखद भगदड़ के बाद आया है, जिसने क्राउड मैनेजमेंट में कमियों को सामने ला दिया था और मैच के दिन के ऑपरेशन्स पर पूरी तरह से फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया था। गरुड़ मॉल और फ्रीडम पार्क जैसी जगहों पर खास पार्किंग ज़ोन बनाए गए हैं, और फैंस को वेन्यू तक लाने-ले जाने के लिए शटल सर्विस का इंतज़ाम किया गया है।

खालिद जमील ने एशिया कप क्वालिफायर के लिए की 23 सदस्यीय टीम घोषित की

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने एएफसी एशिया कप सऊदी अरब 2027 क्वालिफायर्स के अंतिम दौर में हांगकांग, के खिलाफ होने वाले आखिरी मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह मैच 31 मार्च 2026 को खेला जाएगा। ब्लू टाइगर्स ने मंगलवार से कोच्चि में अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू कर दिया है, जहां 20 खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ पहले ही पहुंच चुके हैं। डिफेंडर अनवर अली, मिडफील्डर जैक्सन सिंह थौनाओजम और फॉरवर्ड एडमंड लालरिंदिका, जिन्होंने 23 मार्च को मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ अपना अंतिम आईएसएल मैच खेला, मंगलवार को बाद में टीम से जुड़ेंगे। भारत के एशिया कप के लिए पहले ही बाहर हो जाने के कारण यह मुकाबला भविष्य की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्य कोच खालिद जमील ने कहा, यह हमारे लिए भविष्य की टीम तैयार करने का अच्छा अवसर है। हमारे पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो फिलहाल अंडर-20 और अंडर-23 राष्ट्रीय टीमों के साथ जुड़े हैं और मालदीव में सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप तथा अरुणाचल प्रदेश में अंडर-23 ट्राई-नेशन टूर्नामेंट खेल रहे हैं। हमारे सहायक कोच महेश खुद अंडर-20 टीम के साथ हैं, जिससे उन्हें सीनियर टीम की प्रणाली से जोड़ने में मदद मिलेगी।

टीम

गोलकीपर- अल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ

डिफेंडर- अभिषेक सिंह टेकचाम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, निखिल पूजारि, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदीप झिंगन

मिडफील्डर- आशिक कुरुनियान, दानिश फारूक भट्ट, जैक्सन सिंह थौनाओजम, लालेंगमाविया राल्टे, साहल अब्दुल समद

फॉरवर्ड- एडमंड लालरिंदिका, फारुख चौधरी, लल्रियांजुआला छांगते, लिस्टन कोलाको, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स

मुख्य कोच- खालिद जमील

भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे लक्ष्य सेन, सात्विक-चिराग और पीवी सिंधु

नयी दिल्ली (वार्ता)।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाले 2026 थॉमस और उबर कप फाइनल्स के लिए अनुभवी खिलाड़ियों और इन-फॉर्म युवाओं का मिक्स चुना है। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और सात्विक-चिराग की जोड़ी पुरुषों की स्क्वॉड का कोर होगी, जबकि पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा महिला टीम को लीड करेंगी। पुरुषों की टीम में वही टीम है जिसने 2022 में भारत का ऐतिहासिक थॉमस कप खिताब जीता था। इसमें सेन, श्रीकांत और एच. एस. प्रणय सिंगल्स में लीड करेंगे, साथ ही सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जानी-मानी डबल्स जोड़ी भी शामिल है। सीनियर सर्किट पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद युवा शटलर आयुष शेट्टी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। महिलाओं के मुकाबले में, सिंधु गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की टॉप डबल्स जोड़ी के साथ भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी, क्योंकि टीम अपने पिछले सेमीफाइनल से बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। हुड्डा के साथ फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का एक ग्रुप है, जिसमें देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और टीनएजर तन्वी शर्मा शामिल हैं। चयन 10 मार्च (हफ्ता 11) की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किए गए, जिसमें टॉप पांच सिंगल्स खिलाड़ी और टॉप दो डबल्स जोड़ियां शामिल थीं। टीम कॉम्बिनेशन को ध्यान में रखते हुए और भी खिलाड़ियों को शामिल किया गया, जिसमें ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो जैसे खिलाड़ियों को डबल्स फॉर्मेट में अपने अनुभव के कारण जगह मिली। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी संजय मिश्रा ने कहा, दोनों टीमों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिक्स है। सीनियर खिलाड़ी स्टेबिलिटी लाते हैं, और युवा खिलाड़ी शानदार फ़ॉर्म में हैं। उन्होंने दिखाया है कि वे इस लेवल पर अच्छा कर सकते हैं, जिससे हमें टूर्नामेंट में जाने का कॉन्फिडेंस मिलता है। एम.आर. अर्जुन की भी वापसी हुई है, ध्रुव कपिला डबल्स लाइनअप में सपोर्ट और अनुभव जोड़ते हैं, जबकि किरण जॉर्ज सिंगल्स में गहराई जोड़ते हैं। महिला टीम में, देविका का सिलेक्शन इस साल की शुरुआत में थाईलैंड मास्टर्स में उनके टाइटल जीतने के बाद हुआ है, जबकि इशारानी ऑरलियन्स मास्टर्स में सेमीफ़ाइनल में जगह बनाने के बाद आई हैं। तन्वी इस खेल की सबसे अच्छी संभावनाओं में से एक के तौर पर अपनी रेप्युटेशन बना रही हैं, जबकि हुड्डा की तेज़ी से तरक्की ने उटाइटल दिला दिए हैं। डबल्स लाइनअप में कविप्रिया सेल्वम भी डेब्यू करने वाली हैं, जिससे टीम में जान आएगी। कविप्रिया, सिमरन सिंघी के साथ खेलेंगी, जबकि तनीषा क्रैस्टो डबल्स यूनिट में मुकाबला करेंगी।

पुरुषों की टीमः

लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एच. एस. प्रणय, किरण जॉर्ज, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्साकारुनन, एम. आर. अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला टीमः

पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा, देविका सिहाग, इशारानी बरुआ, ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनीषा क्रैस्टो।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम मंगलवार को अपरिवर्तित रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.54 रुपये, चेन्नई में 100.84 रुपये और कोलकाता में 105.45 रुपये प्रति लीटर है। डीजल मुंबई में 90.03 रुपये, चेन्नई में 92.39 रुपये और कोलकाता में 92.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार है। इसके अलावा रुपया भी इन दिनों डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर है। इससे तेल विपणन कंपनियों पर दाम बढ़ाने का दबाव है। हालांकि फिलहाल वे ग्राहकों पर ज्यादा भार नहीं देना चाह रही हैं।

जिंदल स्टेनलेस ने इंडोनेशिया में स्टील मेल्ट शॉप का किया शुभारंभ

नयी दिल्ली (वार्ता)। जिंदल स्टेनलेस ने अपनी मेल्टिंग क्षमता 40 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा के दो साल के भीतर इंडोनेशिया में 12 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाले स्टेनलेस स्टील मेल्ट शॉप (एसएमएस) का संचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इससे उसकी कुल मेल्टिंग क्षमता बढ़कर 42 लाख टन सालाना हो जायेगी। इसमें देश में 30 लाख टन की क्षमता भी शामिल है। जिंदल स्टेनलेस ने संयुक्त उद्यम के तहत इंडोनेशिया में यह प्लांट विकसित किया है। मेल्टिंग क्षमता में वृद्धि के साथ ही कंपनी ओडिशा के

जाजपुर में 11 लाख टन सालाना की नयी हॉट रोल्ड एनील्ड पिकल्ड (एचआरएपी) लाइन और 1.7 लाख टन की कोल्ड रोलिंग क्षमता शुरू करने की तैयारी कर रही है। ये दोनों लाइन क्रमशः वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही और दूसरी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। ये कार्य पहले से घोषित 1,900 करोड़ रुपये के व्यय के तहत किये जाएंगे।

उत्पादन श्रृंखला के अगले चरण में कंपनी ने अपनी कोल्ड रोलिंग क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए हिसार और खड़गपुर में 900 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है, जिन्हें वित्त वर्ष 2027-28 की दूसरी तिमाही तक संचालित किया जायेगा। इन विस्तार परियोजनाओं के बाद कंपनी की कोल्ड रोलिंग क्षमता वित्त वर्ष 2027-28 तक 6.2 लाख टन बढ़कर 26.7 लाख टन प्रति वर्ष हो जायेगी।

भारतीय खेल पत्रकारिता के जाने-माने नाम एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई (वार्ता)। भारतीय खेल पत्रकारिता के जाने-माने नाम एस त्यागराजन, जिन्होंने कई ओलंपिक और एशियन गेम्स कवर किए थे, और द हिंदू के जाने-माने हॉकी राइटर थे, जिसके साथ वे पांच दशकों से ज्यादा समय तक जुड़े रहे, उनका सोमवार शाम को यहां निधन हो गया। उनके निधन से पूरी भारतीय खेल बिरादरी दुख में डूब गई है, जिन्हें प्यार से त्यागु सर कहा जाता था और वे सभी के प्यारे थे और युवा जर्नलिस्ट को सिखाने, गाइड करने, उन्हें ढालने और हिम्मत देने के अपने मिलनसार गुणों के लिए जाने जाते थे, जो आगे चलकर जाने-माने राइटर बने।

कच्चे तेल की कीमत ढाई प्रतिशत बढ़ी

दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ढाई प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी। कच्चे तेल के मानक लंदन के ब्रेंट क्रूड का मार्च वायदा 2.56 प्रतिशत ऊपर 102.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अप्रैल का अमेरिकी क्रूड वायदा भी 3.19 प्रतिशत ऊपर है। पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। इस युद्ध के कारण एक तरफ उत्पादन में कमी आयी है और दूसरी तरफ आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। कारोबारियों ने बताया कि आने वाले समय में भी कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल पर था। इस प्रकार चार सप्ताह से भी कम समय में यह 40 प्रतिशत महंगा हो चुका है।

रुपया 93.76 प्रति डॉलर के नये निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर 93.76 रुपये प्रति डॉलर के नये निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस तक बीच कारोबार में 94.1125 रुपये प्रति डॉलर तक टूटने के बाद 93.53 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 13 पैसे गिरकर 93.66 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिन का उच्चतम स्तर रहा। बीच कारोबार में एक समय यह 93.9075 रुपये प्रति डॉलर तक फिसल गया था। अंत में 93.76 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

गेहूं मजबूत, चीनी और दालें नरम

नयी दिल्ली (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल की औसत कीमत स्थिर रही। गेहूं में तेजी रही जबकि चीनी और दालों के दाम घट गये। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 3,851 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। गेहूं सात रुपये महंगा हुआ और 2,813 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी नौ रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव नरमी रही। मसूर दाल की औसत कीमत 28 रुपये और तुअर दाल की 24 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंग दाल में 20 रुपये और चना दाल में 12 रुपये की गिरावट रही। उड़द दाल के भाव में टिकाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 72 रिंगिट गिरकर 4,539 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 प्रतिशत की नरमी के साथ 65.24 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 91 रुपये और पाम ऑयल की 88 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 81 रुपये और सरसों तेल 29 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति 26 रुपये मजबूत हुआ। वहीं, मूंगफली तेल 76 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 13 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी भी सात रुपये सस्ती हुई। दाल चना 7711.85 रुपये, मसूर काली 8058.48 रुपये, मूंग दाल 10140.91 रुपये, उड़द दाल 10784.27 रुपये, तुअर दाल 11233.45 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज = (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2813.31 रुपये और चावल 3851.06 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3288.24 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4299.58 रुपये और गुड़ 4974.55 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17699.36 रुपये, मूंगफली तेल 18626.59 रुपये, सूरजमुखी तेल 17192.54 रुपये, सोया तेल 14469.77 रुपये, पाम ऑयल 13250.58 रुपये और वनस्पति 14661.28 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

टाटा पावर के मुंद्रा संयंत्र से फिर शुरू होगी बिजली आपूर्ति

नयी दिल्ली (वार्ता)।

गुजरात के मुंद्रा स्थित टाटा पावर संयंत्र में बिजली उत्पादन फिर शुरू होगा। कंपनी ने राज्य सरकार के गुजरात ऊर्जा विकास निगम (जीयूवीएनएल) के साथ पूरक ऊर्जा खरीद समझौता किया है। टाटा पावर ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने जीयूवीएनएल के साथ पूरक ऊर्जा खरीद समझौता किया है और इसी तरह से समझौते महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा की सरकारों के साथ भी किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि कोयले की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण नुकसान का हवाला देकर कंपनी ने बिजली उत्पादन बंद कर दिया था। नये समझौते में प्रावधान है कि कोयले के दाम बढ़ने की स्थिति में कंपनी बिजली के दाम बढ़ा सकेगी।

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,372.06 अंक (1.89 प्रतिशत) चढ़कर 74,068.45 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 399.75 अंक यानी 1.78 फीसदी की बढ़त में 22,912.40 अंक पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस पर सेंसेक्स 21 महीने के निचले स्तर पर और निफ्टी-50 सूचकांक 11 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ था।बाजार में चौतरफा लिवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50

सूचकांक 2.74 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.63 प्रतिशत चढ़ गया। ऑटो, वित्त, मीडिया, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रसायन, धातु, रियलटी, स्वास्थ्य, आईटी और एफएमसीजी समेत सभी सेक्टरों में अच्छी मजबूती रही।

एनएसई में जिन 3,369 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,480 के शेयरों में तेजी और 805 में गिरावट रही। अन्य 84 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 5.19 प्रतिशत और इंडिगो का 5.18 प्रतिशत चढ़ गया। इटरनल में 4.85 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 4.69, एशियन पेंट्स में 4.54, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.87, टेक महिंद्रा में 3.57, अडानी पोर्ट्स में 3.11 और कोटक महिंद्रा बैंक में 3.03 प्रतिशत की तेजी रही। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.88 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.57, आईसीआईसीआई बैंक का 2.38 और बीईएल का 2.29 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टाटा स्टील में 1.95 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 1.86, एक्सिस बैंक में 1.82, इंफोसिस में 1.60, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.49, टाइटन में 1.30 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.10 प्रतिशत की गिरावट रही। मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, टीसीएस, भारती एयरटेल, ट्रेंट,रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी के शेयर भी हरे निशान में रहे।

पावरग्रिड, सनफार्मा और भारतीय स्टेट बैंक लाल निशान में बंद हुए। वैश्विक स्तर पर हांगकांग का हैंग सेंग 2.79 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.78 प्रतिशत और जापान का निक्केई 1.43 प्रतिशत मजबूत हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.40 फीसदी नीचे जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.11 प्रतिशत ऊपर था।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल होकर चलेगी एलटीटी-समस्तीपुर ट्रेन

भोपाल। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इस क्रम में एलटीटी-समस्तीपुर वीकली एसी समर स्पेशल ट्रेन इटारसी होकर चलेगी। ट्रेन 01043 एलटीटी से 21 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 23.45 बजे होकर बुधवार रात्रि 23.45 बजे समस्तीपुर जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में 01044 समस्तीपुर से 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को 03.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी 02 बजे होकर शुक्रवार सायं 16.25 बजे एलटीटी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 01 एसी प्रथम, 03 एसी सेकंड, 15 एसी थर्ड 01 बुफे पेन्ट्रीकार एवं 02 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

रीवा-राजकोट एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी कोच बढ़ा

भोपाल। समर सीजन में यात्रियों की मांग पर रीवा-राजकोट-एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी कोच मई से अगले आदेश तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन 22937/38 राजकोट से 24 मई को एवं 25 मई को रीवा से इस ट्रेन में 4 थर्ड एसी कोच की बजाय 5 थर्ड एसी कोच होंगें। इस गाड़ी में 6 स्लीपर, 5 थर्ड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनामी, 2 सेकेंड एसी, 1 फस्ट एसी, 4 सामान्य श्रेणी कोच, 1 एसएलआरडी, 1 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगें।

गैस सिलेंडरों की किल्लतः राजधानी में गैस एजेंसियों में ऑनलाइन बुकिंग के बाद भी देरी से मिल रहा सिलेंडर

सर्वर में आ रही दिक्कत, डिलीवरी में अव्यवस्था से उपभोक्ता परेशान

भोपाल (नगर संवाददाता)

ईरान-अमेरिका युद्ध का असर आम जनता पर दिखने लगा है। इसके कारण गैस सिलेंडर की सप्लाई में कमी से राजधानी की आम जनता परेशान हो रही है। शहर के 50 से अधिक वितरकों के यहां सिलेंडर के लिए मारामारी होने लगी है। लंबी कतारें लगानी पड़ रही है। गैस सिलेंडर की आपूर्ति में कमी होने से ये स्थिति पैदा हो रही है। सुबह 8 बजे से लोग आकर एजेंसी के सामने बैठने लगे। घंटो इंतजार के बाद सिलेंडर नहीं मिलने पर लोगों पर आक्रोश देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर गैस एजेंसी संचालक सिलेंडर की कमी नहीं होने का दावा कर रही है।

गैस एजेंसियों पर मंगलवार को भी गैस बुकिंग को लेकर भारी अराजकता देखने मिली। उपभोक्ताओं ने बताया कि वे कई दिनों से सिलेंडर के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं, लेकिन बुकिंग और डिलीवरी किसी न किसी कारण से नहीं हो पा रही है। जवाहर चौक स्थित एजेंसी पर उपभोक्ता राहुल नगर निवासी आटो चालक प्रदीप सेन ने बताया कि वे पिछले 7 दिन से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। हर बार अलग-अलग कारण बताकर उन्हें लौटा दिया जाता है। कभी डीएसी नंबर नहीं आने की बात पर, तो कभी सिस्टम में सिलेंडर डिलीवर दिखाकर कि घर पर पहुंच गया है, जबकि उनके घर कोई गैस नहीं आई है। एजेंसी में आने-जाने से उनका पूरा दिन खराब हो रहा है, जिससे उनको दिक्कत हो रही है। घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह दो घंटे से लाइन में खड़े पंचशील नगर निवासी नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि वे फुल्की चाट का ठेला लगाते हैं। गैस नहीं मिलने से चाट बनाना बंद कर दिया। केवल फुल्की बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 3 दिन से घर में गैस खत्म है। ठेला तक नहीं लगा पा रहा हूं। ग्राहक कम हो गए हैं। कमाई रुक गई है। सुबह की चाय तक नहीं बन पा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि बुकिंग होने के बाद भी उन्हें बार-बार बुलाया जा रहा है, लेकिन सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। पंचशील नगर निवासी मजदूर दुर्गा प्रसाद ने बताया कि गैस खत्म होने से उन्हें एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कभी ओटीपी नहीं आ रहा, तो कभी सर्वर डाउन बोलकर भगा देते हैं। मेरे पास ऑटो के पैसे नहीं है। उधार लेकर अपना घर चला रहा हूं। बड़ी मुश्किल से एक सिलेंडर मिला। इस कारण चाय-नाश्ते की कीमतें भी बढ़ानी पड़ी। 10 रुपए की चाय अब 15 रुपए में बेचने पड़ रहे हैं। की कर दी है,जिससे ग्राहक कम हो गए। अगर यही स्थिति ऐसी ही रही, तो मुझे दुकान बंद करनी पड़ेगी।

जिंसी चौराहा और और टीला जमालपुरा गैस एजेंसियों पर लगी ग्राहकों की भीड़।

घरेलू सिलेंडरों की कमी नहीं, कोटे के हिसाब से दिए व्यावसायिक

जिला प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि राजधानी में घरेलू सिलेंडरों की कमी नहीं है। सभी को बुकिंग के हिसाब से वितरित किए जा रहे हैं। खाद्य नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने कहा कि मंगलवार को व्यावसायिक सिलेंडर होटल- रेस्टोरेंट और अन्य संस्थाओं से मिल रही आग्रह मांग के आधार पर की गई। ताज, मेट्रो समेत कई संस्थाओं ने मांग की है। इन सभी को कोटे के आधार पर व्यावसायिक सिलेंडर दिए गए हैं।

हिंदू उत्सव समिति ने मांगा भंडारे के लिए गैस सिलेंडर

भोपाल। नवरात्रि, रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित भंडारे के लिए गैस सिलेंडर देने की मांग श्री हिंदू उत्सव समिति ने की। इस संबंध में समिति ने मंगलवार को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टरके नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम पीसी शाक्य को सौंपा। ज्ञापन में आग्रह किया कि इन धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में भंडारे आयोजित होते हैं, जिनमें गैस आवश्यक होती है। समिति ने प्रशासन से निवेदन किया कि संबंधित गैस एजेंसियों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने निर्देशित की जाएं। इस अवसर पर समिति के महामंत्री बलीस्ता रावत, उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, मंत्री हरी ओम शर्मा, अमित भार्गव, विरेंद्र दुबे, विनय शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

मंत्री सिलावट ने ली विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक

सिंचाई परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : सिलावट

भोपाल (नगर संवाददाता)

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। हमारी सरकार का ध्येय है समृद्ध किसान, समृद्ध मध्य प्रदेश. जब किसानों के खेतों में पानी पहुंचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और उसी संकल्प की पूर्ति के लिए अधिकारी निरंतर कार्य करें। मध्यप्रदेश में प्रगतिरत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, जिससे जनता को समय पर उनका पूरा-पूरा लाभ मिल सके। मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने प्रमुख रूप से बीना परियोजना प्रबंधन इकाई सागर एवं बेतवा परियोजना प्रबंधन इकाई भोपाल में निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य से संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विभागीय मापदंड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए

मंत्री सिलावट ने बैठक में बीना संयुक्त सिंचाई बहुद्देश्यीय परियोजना सागर, कोठा बैराज परियोजना विदिशा, बण्डा सिंचाई परियोजना सागर-छतरपुर, हनोता सिंचाई परियोजना सागर-विदिशा, पंचमनगर सिंचाई परियोजना दमोह-सागर, कडान मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, साजली मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह, कैथ मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, जूडी एवं जैरा मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह-छतरपुर की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता एवं विभागीय मापदण्ड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर सागर, विदिशा, छतरपुर एवं दमोह जिलों की लगभग 3 लाख 10 हजार हेक्टेयर भूमि में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

31 को सेवानिवृत्त होंगी स्मिता सचिन सिन्हा बनेंगे एसीएस

भोपाल (नगर संवाददाता)

माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष, अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो जाएंगी। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद एसीएस के रिक्त होने वाले एक पद पर आईएएस की वरिष्ठता सूची के हिसाब से प्रशासन अकादमी में पदस्थ प्रमुख सचिव सचिन सिन्हा अपर मुख्य सचिव बन सकते हैं।

स्मिता भारद्वाज की सेवानिवृत्ति से रिक्त होने वाले माध्यमिक शिक्षा मंडल में नए अध्यक्ष की नियुक्ति भी सरकार को करनी होगी। यह जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव स्तर के ही किसी अफसर को सौंपी जाएगी। 1 अप्रैल से इस पद पर नई अफसर की पदस्थापना होगी। सामान्य प्रशासन विभाग 31 मार्च अथवा एक अप्रैल को उनके पदोन्नति करने का आदेश जारी करेगा। सिन्हा से पहले शिवशेखर शुक्ला अपर मुख्य सचिव बनाए गए थे।

वर्ष 2026 में जिन अन्य आईएएस अफसरों का सेवानिवृत्त होना है, उसमें राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सचिव अलका उपाध्याय मई में और केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी आशीष श्रीवास्तव अक्टूबर में सेवानिवृत्त होंगे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

अप्रैल में होगा समर कैंप, नई प्रतिभाओं को मिले मंच : सारंग

भोपाल (नगर संवाददाता)

खेल एवं युवा कल्याण विभाग अप्रैल से विभिन्न खेलों का समर कैंप आयोजित करेगा। इसमें नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी जाएं। ये निर्देश खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में विभागीय गतिविधियों और आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री सारंग ने अप्रैल में होने वाले समर कैंप की तैयारियों पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि इसका आयोजन पुख्ता किया जाए, जिससे अधिक से अधिक नए बच्चे खेल मैदान तक पहुंचें और उनकी प्रतिभा को प्रारंभिक स्तर से ही पहचानकर उन्हें उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में निखारा जा सके। उन्होंने ने कहा कि खेल अधोसंरचना के विकास को गति देने के उद्देश्य से विभाग का स्वयं का सिविल विंग स्थापित करने की दिशा में ठोस कार्य योजना के साथ एक प्रस्ताव तैयार करें। उक्त प्रस्ताव को आगे की प्रक्रिया के लिए विभाग से सरकार के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और खेल परिसरों के रख-रखाव को भी अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। बैठक में प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण मनीष सिंह, संचालक अंशुमान यादव, उप-संचालक बीएस यादव आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

कोचों के बीच हो समन्वय

मंत्री सारंग ने कोचिंग व्यवस्था को बेहतर करने पर बल देते हुए कहा कि कोचों की पदोन्नति प्रक्रिया की कार्य योजना तैयार करें। साथ ही यह भी तय हो कि हेड कोच एवं कोचों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा। खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

150 आवेदनों का किया निराकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को हुई जनसुनवाई में आए नागरिकों से 150 आवेदनों का निराकरण किया।

जनसुनवाई में कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी, एडीएम सुमित पांडेय, अंकुर मेश्राम ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। इस मौके पर सीईओ तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

[आयोजन] राष्ट्रचेता स्व. गुरुदत्त स्मृति दो दिवसीय साहित्य समारोह का समापन

गुरुदत्त के साहित्य में राष्ट्र की समस्याओं का गंभीर और व्यापक वर्णन : पंकज

भोपाल (नगर संवाददाता)

'राष्ट्रचेता स्व. गुरुदत्त सांगोपांग लेखक और सर्वांगपूर्ण सर्जक थे। उनके साहित्य में राष्ट्र की समस्याओं का गंभीर और व्यापक वर्णन मिलता है।'

यह विचार हिन्दू विद्या केंद्र के निदेशक रामेश्वर मिश्र 'पंकज' ने व्यक्त किए। वे स्व. गुरुदत्त स्मृति दो दिवसीय साहित्य समारोह के समापन दिवस पर 'गुरुदत्त के रचना संसार' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुदत्त केवल साहित्यकार नहीं, बल्कि राष्ट्रचिंतक थे, जिनकी रचनाओं में धर्म, अध्यात्म और राष्ट्रीय जीवन की जटिलताओं का समन्वित चित्रण मिलता है। इस अवसर पर साहित्यकार मनमोहन प्रकाश और वाणी जोशी मंचासीन रहे।

समकालीन महत्व और विपुल लेखन-रामेश्वर मिश्र 'पंकज' ने गुरुदत्त को सुमित्रानंदन पंत, जयशंकर प्रसाद और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों का समकालीन बताते हुए कहा कि उन्होंने लगभग 45 वर्ष की आयु में ही करीब 200 पुस्तकों की रचना की। इन कृतियों में धर्म और अध्यात्म के साथ-साथ राष्ट्र की समस्याओं का गहन विश्लेषण मिलता है। उन्होंने बताया कि पेशे से वैद्य होने के बावजूद गुरुदत्त ने धर्मशास्त्र पर महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। ब्रह्मसूत्र पर उनकी दो पुस्तकों में सूक्ष्म तत्वों की विस्तृत व्याख्या की गई है। वहीं वेदांत, उपनिषद और यजुर्वेद पर आधारित कृतियों में गृहस्थ धर्म का सारगर्भित विवरण मिलता है।

गुरुदत्त ने निर्भीक, धर्मनिष्ठ और सदाचारी जीवन जीते हुए पौराणिक शैली में भारतवर्ष का संक्षिप्त इतिहास भी प्रस्तुत किया। उनकी प्रमुख कृतियों में स्वाधीनता के पथ, पथिक, विश्वासघात, देश की हत्या और नमस्ते सदा वत्सले को विशेष रूप से पठनीय बताया।

साहित्य समारोह को संबोधित करते हिंदू विद्या केंद्र के निदेशक रामेश्वर मिश्र 'पंकज'।

वंदेमातरम् को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

समारोह में प्रतिभागी साहित्यकारों और श्रोताओं ने वंदेमातरम् को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।इससे पूर्व साहित्य अकादमी के अध्यक्ष विकास दवे ने राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के समान महत्व पर जोर देते हुए प्रतिभागियों से प्रश्न किया था कि वे इस आयोजन से क्या लेकर जाएंगे। इस पर गोकुल सोनी ने विचारों को आमजन तक पहुँचाने की आवश्यकता बताई।ओमप्रकाश खुराना ने परिवार प्रबोधन के माध्यम से बच्चों तक वंदेमातरम् पहुँचाने पर बल दिया, जबकि राजेश सत्यम ने साहित्यिक संवाद की आवश्यकता बताई। इस दौरान अमित खरे, मधुरिका सक्सेना, मीनू पांडेय, गिरिराजजी, संतोष शर्मा, सारिका सिंह, लता अग्रवाल, लखेश, शोभना तिवारी और राजेश अजनबी सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

वंदेमातरम् और सांस्कृतिक विमर्श... सत्र में वाणी जोशी ने 'वंदेमातरम' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वेदों को समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने वंदेमातरम में निहित स्त्री पक्ष और वेदों में वर्णित राष्ट्रवंदना की भावना को रेखांकित किया।अध्यक्षीय उद्बोधन में मनमोहन प्रकाश ने कहा कि भारतीय चेतना में सांस्कृतिक और मानवीय मूल्य एक-दूसरे के पूरक हैं।

डॉ. संजय सक्सेना ने साझा किए संस्मरण

चिकित्सक एवं साहित्यकार डॉ. संजय सक्सेना ने बताया कि वे नौवीं कक्षा से ही गुरुदत्त के संपर्क में थे और पत्राचार के माध्यम से संवाद करते रहे। उनके द्वारा भेजे गए कई अंतरदेशीय पत्र आज भी सुरक्षित हैं। उन्होंने गुरुदत्त की पुस्तकों- जमाना बदल गया है, दो लहरों की टक्कर, लुढ़कते पत्थर और संभवामि युगे-युगे का उल्लेख करते हुए कहा कि दो लहरों की टक्कर में बौद्ध और सनातन परंपराओं को अत्यंत रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया है। समारोह का समापन सत्र साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। आयोजन में राष्ट्र, संस्कृति और साहित्य के विविध आयामों पर गंभीर और सार्थक विमर्श देखने को मिला। इस आयोजन के लिए दूर दराज से आए प्रतिभागियों ने साहित्य आकादमी और उसके निदेशक विकास दवे के प्रयासों की प्रशंसा की।

लोक साहित्य और देशभक्ति के आयाम

'लोक साहित्य में देशभक्ति के विविध आयाम' विषय पर आयोजित चौथे सत्र में साहित्यकार श्यामसुंदर दुबे ने कहा कि लोक संस्कृति और लोक विचारों का हृदय से सम्मान करना ही सच्ची देशभक्ति है। 'कार्यक्रम में डॉ क्षमा कोर (कश्मीर) ने 'स्त्री चेतना के भारतीय प्रतिमान' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जो बालिकाएं अज्ञानवश अपने शरीर को केवल अपनी इच्छा का विषय मानती हैं, वे दया की पात्र हैं।

न्यायालय के भीतर पीड़ित के वकील से अभद्रता

जिला न्यायालय में मौजूद अधिवक्ता।

- भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अदालत से बाहर ले जाया गया
- नाराज अधिवक्ताओं का भारी हंगामा, रेलवे के पूर्व कर्मचारी के खिलाफ थाने में दर्ज हुआ प्रकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

जिला न्यायालय के भीतर मंगलवार दोहपर हंगामा हो गया। दरअसल, पीड़ित एक महिला के पक्ष में उपस्थित हुए अधिवक्ता के साथ उसके पति ने अभद्रता कर दी। यह बात जब अन्य अधिवक्ताओं को पता चली तो न्यायालय कक्ष घेर लिया गया। अधिवक्ताओं की मांग थी कि वह उसको सबक सिखाकर रहेंगें। इधर, हंगामे को देखते हुए भारी पुलिस बल न्यायालय में पहुंचा। वहीं इस मामले में अधिवक्ता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण भी दर्ज कर लिया है।

अधिवक्ता अनंत संजर ने बताया कि वे प्रकृति भटनागर की तरफ से जिला न्यायालय में अधिवक्ता हैं। न्यायालय में प्रताड़ना के अलावा काऊसलिंग के लिए आवेदन लगा हुआ है। इसके लिए अनंत संजर अपने साथ प्रकृति भटनागर को जी-17 कोर्ट रुम में ले गए। यहां उसके पति विद्युत भटनागर भी पहुंचे। वह अधिवक्ता अनंत संजर के रिश्ते में साले भी लगते हैं। वह आवेश में उनके साथ अभद्रता करने लगे। यह बात उन्होंने न्यायाधीश के संज्ञान में लाई तो वह उन्हें धमकाते हुए न्यायालय के भीतर ही झूमाझटकी में उतर आए। जिस कारण अधिवक्ता को आंख के पास भी लग गई। इसके बाद न्यायालय के भीतर अधिवक्ताओं की भीड़ जमा हो गई। कोर्ट रुम को पुलिस बल ने घेर लिया और कक्ष के भीतर ही विद्युत भटनागर को बंद कर लिया गया। इसके बाद अधिवक्ता अनंत संजर एमपी नगर थाने पहुंचे और उन्होंने विद्युत भटनागर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया।

थाने में पहले से दर्ज है कई प्रकरण

अधिवक्ता अनंत संजर राजधानी के पूर्व सांसद आलोक संजर के पुत्र भी हैं। इसलिए जिला न्यायालय में वह काफी चर्चित चेहरा भी है। इसके अलावा आरोपी विद्युत भटनागर उनके साले हैं। वह कोलार रोड थाना क्षेत्र में रहते हैं। वह रेलवे के पूर्व कर्मचारी हैं। उनके खिलाफ रेलवे की तरफ से भी एक प्रकरण विचाराधीन हैं। इसके अलावा शाहपुरा और कोलार रोड थाने में भी पहले से कई प्रकरण चल रहे हैं। विद्युत भटनागर पत्नी के साथ घरेलू कलह करते हुए परेशान भी करते हैं। जिस कारण परिवार ने कई मौके उन्हें सुधरने के लिए दिए थे। लेकिन, जब वह नहीं माने तो उनके खिलाफ अनंत संजर ने सबक सिखाने के लिए न्यायालय की मदद ली।

भेल में तीन अधिकारी और 12 पर्यवेक्षक हुए सेवानिवृत्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

भेल में मंगलवार को 03 अधिकारियों, 12 पर्यवेक्षकों और एक कर्मचारी सेवानिवृत हुआ। इस मौके पर भेल के प्रशासनिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदीप कुमार उपाध्याय ईडी ने अमित शर्मा, एस के गुप्ता, अशोक जिवने, एजीएम समेत 12 पर्यवेक्षकों तथा एक कर्मचारी को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई देते हुए कहा कि सभी का जीवन खुशियों से भरा रहने की कामना की।

उत्कृष्ट कार्य करने पर तीन महिला कर्मचारी सम्मानित

भोपाल (नगर संवाददाता)

मंगलवार को पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय एवं भोपाल सहित तीनों मंडलों में अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रेल सौरभ ऑफिसर क्लब में आयोजित समारोह में महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा अर्चना खत्री ने सभी महिलाओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

संगठन सचिव रेनू गौतम ने महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त बनकर उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई-100/22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।